www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 178 || अम्बेडकरनगर
रविवार
20 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:53
सूर्यास्तः 06:07
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार | सत्ता से संघर्ष तक: ममता... >>पेज 04 | लड़ाकू विमानों ने हैरतअंगेज ... >>पेज 06 | रिजेक्शन और रिप्लेसमेंट के ...

'छात्रों की गूंज'

सिस्टम नहीं चाहता कि स्टूडेंट सवाल पूछें, इसलिए अंधभक्त पैदा करता है : राहुल गांधी

'इस सिस्टम को स्टूडेंट नहीं, अंधभक्त चाहिए'

राहुल के कार्यक्रम के दौरान एक स्टूडेंट ने मंच पर आकर कहा- राहुल जी, न हम डरेंगे, झुकेंगे। यह बात उसने राहुल गांधी के उस बयान के बाद कही, जिसमें उन्होंने कहा था कि स्टूडेंट को सिस्टम से खतरा है।

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

पल्लवी । राहुल गांधी ने इंदौर में छात्रों की गूंज को संबोधित किया। कार्यक्रम के 5वें एडिशन में उन्होंने 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' विषय करीब 60 मिनट बात की। कार्यक्रम के लिए IDA ग्राउंड पर 20 से 25 हजार युवा पहुंचे। छात्रों से सवाल-जवाब के दौरान राहुल ने कहा- सिस्टम नहीं चाहता कि स्टूडेंट्स सवाल पूछें, इसलिए वह अंधभक्त पैदा करता है। उन्होंने कहा- छात्रों का सिस्टम से भरोसा उठ गया है, हालांकि कुछ जगह कैंडिडेट्स की भी गलती है। इस पर सामने बैठे छात्रों ने जवाब दिया- सर, हम सिस्टम से हार गए। कांग्रेस ने बताया कि कार्यक्रम के लिए करीब 2 लाख रजिस्ट्रेशन हुए। इसकी अनुमति 31 शर्तों के साथ मिली।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल गांधी के कार्यक्रम में एक व्यक्ति ने मंच पर प्रधानमंत्री मोदी की मिमिक्री की। उसने हंसने और पीठ थपथपाने की एक्टिंग की।

'सिस्टम चलाना सरकार की जिम्मेदारी, लेकिन उलटा हो रहा'

राहुल ने कहा- किसी भी देश की शिक्षा का सिस्टम चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन देश में उलटा हो रहा है। पहले देश में आईआईटी बने, स्कूल बने, अब पूरा रिवाइंड किया जा रहा हे। मैं आपको आंकड़े दिखाउंगा। मैं सबूत के साथ दूंगा कि शिक्षा कैसे बर्बाद हो रही है। इसके बाद राहुल ने आंकड़ों की स्लाइड दिखाई।

राहुल ने अर्पित जाज के दादा से मंच पर बातचीत की। उनके कंधे पर हाथ रखा।

राहुल दिल्ली हॉस्टल हादसे में मारे गए छात्र के परिवार से मिले

राहुल गांधी ने की 6 सितंबर को दिल्ली हॉस्टल हादसे में जान गंवाने वाले छात्र अर्पित जाज के परिजनों से मुलाकात की। देवास के रहने वाले 21 साल के अर्पित जाज दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र थे।

'शिक्षा कोई लग्जरी नहीं, हर स्टूडेंट का हक'

राहुल ने कहा- स्टूडेंट देश का फाउंडेशन होता है। स्टूडेंट देश को बनाता है। शिक्षा कोई लग्जरी नहीं है, हर स्टूडेंट का हक है। किंडर से मिड डे मील, स्कूल, कॉलेज और रोजगार ये आपका काम नहीं है। ये हिंदुस्तान की सरकार का काम है। सरकार को सिस्टम चलाना चाहिए, मगर देश में उलटा हो रहा है।

पीएससी की तैयारी कर रहा स्टूडेंट बोला- ओवर एज हो गए

सतना के रहने वाले अखिल भारती क्रांति ने कहा- मैं एमपीपीएसी का छात्र हूं। यहां हालात ऐसे हैं कि पिछले 8 साल से जितने भी पदों पर भर्ती होती है उसमें 13 फीसदी पद होल्ड कर दिए जाते हैं। प्री हो जाता है, मेंस हो जाता है, इंटरव्यू हो जाता है। मेरे जैसे 4 लाख 87 हजार बच्चे होल्ड हैं। कोर्ट का बहाना देकर सरकार रोक देती है।

2018 में कांग्रेस सरकार ने कानून बनाया, तब से ही यह होल्ड है। हम लोग ओवर एज हो गए। रिजल्ट के इंतजार में मानसिक स्थिति खराब हो गई। हम जैसे छात्र एसडीएम, डीएसपी बन सकते हैं, लेकिन बेरोजगार बैठे हुए हैं।

हिंदूस्तान के युवाओं को रोजगार मिल सकता है। भर्ती खाली है, लेकिन पदों को भरा ही नहीं जा रहा है। डाटा कहता है कि आधे पद आज भी खाली पड़े हुए हैं। मैं यहां पॉर्ट टाइम जॉब करने को मजबूर हूं। मैं विंध्य क्षेत्र से आता हूं, वहां शिक्षा का स्तर बहुत ही खराब है। हमारे यहां से बच्चे तैयारी करने इंदौर–भोपाल आते हैं। वहां प्रतियोगी परीक्षा के लिए शिक्षक ही नहीं हैं। गरीब बच्चे यहां नहीं आ सकते हैं। विंध्य क्षेत्र में बेहतर शिक्षा की व्यवस्था हो।

पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में चार्जशीट दाखिल

सिया-चेतन पर हत्या की साजिश रचने का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

पुणे । पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में पुलिस ने शनिवार को वडगांव मावल कोर्ट में 5053 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। पुलिस ने दावा किया है कि केतन की मौत हादसा नहीं थी, बल्कि उसकी हत्या की साजिश रची गई थी। साजिश में केतन की मंगेतर सिया गोयल और उसका प्रेमी चेतन चौधरी शामिल थे। दोनों आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। चेतन के दोस्त रितेश को भी आरोपी बनाया गया है। चार्जशीट में आरोपियों के इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस को ऑनलाइन सर्च करने का भी जिक्र है। चार्जशीट में व्हाट्सऐप चैट, तस्वीरें, मोबाइल फोन डेटा,कॉल डिटेल रिकॉर्ड, गवाहों के बयान शामिल किए गए हैं। पुलिस ने मामले में करीब 80 से 85 गवाहों के बयान दर्ज किए हैं। सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे। इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हो गई। शुरुआत में इसे हादसा माना गया था। बताया गया था कि चट्टान के पास फोटो खिंचवाते समय केतन का पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गया।

हादसा नहीं, हत्या की साजिश का आरोप

>> (शेष पेज 06 पर)

उत्तर प्रदेश में भाजपा ने 98 जिला प्रभारी किए घोषित

विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी चुनेंगे

नियुक्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । पी में भाजपा ने अपने संगठनात्मक 98 जिलों में जिला प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शनिवार शाम 7:30 बजे जिला प्रभारियों की लिस्ट जारी कर दी। राजनाथ सिंह के बेटे और प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ससंदीय क्षेत्र रायबरेली का प्रभारी बनाया गया है। पूर्व मंत्री सुरेश राणा को बुलंदशहर और एमएलसी प्रांशु दत्त द्विवेदी को कानपुर महानगर दक्षिण का प्रभारी बनाया गया है। वह भाजपा युवा मोर्चा (BJYM) के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं।

राहुल के क्षेत्र में राजनाथ के बेटे नीरज सिंह को उतारा

प्रांशु भाजपा के दिवंगत नेता और पूर्व मंत्री ब्रह्म दत्त द्विवेदी के भतीजे हैं। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी चयन से लेकर चुनाव प्रबंधन में इन जिला प्रभारियों की अहम भूमिका होगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

भारत पूरी तरह आजाद नहीं

वीडियो में एक व्यक्ति भारत की आजादी को लेकर यह दावा करता दिखाई दिया कि भारत पूरी तरह आजाद नहीं है और ब्रिटिश क्राउन ने भारत को 99 साल की लीज पर दिया है। वीडियो के एक हिस्से में एक व्यक्ति ने कहा कि अगर मोदी सरकार नहीं होती तो चीन भारत को ले चुका होता।

नर्सिंग स्टूडेंट बोली- 6 साल में भी कोर्स पूरा नहीं

नर्सिंग स्टूडेंट याशिका दानी ने कहा– मैंने 2020 में एडमिशन लिया था, सोचा था कि मेरा कोर्स चार साल में पूरा हो जाएगा। 2026 चल रहा है और मैं अभी भी थर्ड ईयर में हूं। न रिजल्ट आया है, न फोर्थ ईयर के एग्जाम हो रहे हैं। न डिग्री पूरी हो रही हैं। इससे मप्र में हजारों बच्चे परेशान हो रहे हैं। नर्सिंग छात्रों ने एक महीने तक आंदोलन किया, लेकिन किसी ने नहीं सुना। सिर्फ सब घोटाले में लगे हुए थे।

फास्ट न्यूज

होमगार्ड ने महिला को बाल पकड़कर जमीन पर घसीटा

नई दिल्ली। हैदराबाद के हाफिजपेट रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार रात एक होमगार्ड ने महिला को पीटा और उसके बाल पकड़कर जमीन पर घसीटा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

अरेस्ट कार्रवाई

केरल नौसेना अकादमी से बांग्लादेशी गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम । केरल की एझिमाला नौसेना अकादमी में फर्जी कागजात से भारतीय नागरिक बनकर काम कर रहे बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 32 साल के बिप्लब सोरेन के रूप में हुई है। वह अकादमी के लॉन्ड्री सेक्शन में कॉन्ट्रैक्ट वर्कर था।

नौसेना अधिकारियों ने शुक्रवार रात करीब 8:15 बजे उससे पूछताछ की। उसके कागजात की जांच के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, वह बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहा था।

दिल्ली एयरपोर्ट का तीसरा रनवे आज से शुरू होगा

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट का तीसरा रनवे 11R/29L कल से ऑपरेशन में आ जाएगा। रनवे को इसी साल फरवरी में रिहैबिलिटेशन के लिए बंद किया गया था। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने शनिवार को बताया कि रनवे को चालू करने से पहले सभी जरूरी निरीक्षण, वैलिडेशन और रेगुलेटरी मंजूरियां ली गईं।

बंगाल उपचुनाव में रेजीनगर से ममता के प्रत्याशी फिर पलटे

सुबह कहा- नहीं लड़ूंगा, दोपहर में बोले- लड़ूंगा

यूटर्न

तमसास संकेत, एजेंसी

मुर्शिदाबाद । पश्चिम बंगाल में विधानसभा की 2 सीटों के उपचुनाव के पहले सियासी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। रेजीनगर में TMC उम्मीदवार रबीउल आलम चौधरी ने शनिवार सुबह 10 बजे चुनाव से हटने का ऐलान किया, लेकिन करीब 3 घंटे बाद ही दोपहर एक बजे यूटर्न ले लिया।

रबीउल ने सुबह हटने का ऐलान करते वक्त पार्टी का पुराना चुनाव चिह्न 'जोड़ा घासफूल' नहीं मिलने और नया चिह्न 'फुटबॉल प्लेयर' मिलने को इसकी वजह बताया था।

हालांकि, ममता बनर्जी से बातचीत के बाद रबीउल ने कहा, ₹मैं चुनाव लड़ूंगा।₹ इससे एक दिन पहले नंदीग्राम में भी ममता गुट की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे ने नामांकन वापस ले लिया था। रेजीनगर और नंदीग्राम सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होगा और 9 अक्टूबर को मतगणना होगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

टीएमसी के दोनों गुटों का नया नाम-सिंबल, ममता सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं

योगी बोले- पहले चाचा-भतीजे नौकरियों पर डकैती डालते थे, आज उपदेश दे रहे

मैं नौकरी देता जाऊंगा वह गिनते जाएं : योगी

वितरण

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मिशन रोजगार के तहत शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न विभागों में चयनित 818 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनमें व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), आयुष तथा चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अभ्यर्थी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आगामी छह माह में एक लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी देने जा रही है। >> (शेष पेज 06 पर)

मिशन रोजगार के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न विभागों में चयनित अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र, बोले- युवाओं की प्रतिभा से बढ़ेगी प्रदेश की ताकत

818
युवाओं को मिले यूपी में नियुक्ति पत्र

आगामी भर्तियों में हजारों युवाओं को अवसर

मुख्यमंत्री के अनुसार, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के घोषित होने वाले परिणामों से अगले छह माह में 25 हजार से 30 हजार युवाओं को अवसर मिलने जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग के माध्यम से करीब 20 हजार से 25 हजार युवाओं को अवसर मिलने की संभावना है। इनकी परीक्षाएं तेजी से चल रही हैं और कुछ के परिणाम आने भी शुरू हो गए हैं। अगले तीन से चार माह में इनके परिणाम सामने आने की बात कही गई है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 36 हजार युवाओं की भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इनकी परीक्षाएं पूरी हो चुकी हैं तथा वर्तमान में मेडिकल और फिजिकल प्रक्रिया चल रही है। वहीं, उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स में 41 हजार से 42 हजार नियुक्तियों की प्रक्रिया भी जारी है।

17 साल बाद कोई निर्दलीय भी जीता : उपाध्यक्ष पद पर उसे सबसे ज्यादा 30 हजार+ वोट मिले

दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रेसिडेंट सेक्रेटरी पद एबीवीपी को

शौकीन दिल्ली के पीरागढ़ी के रहने वाले हैं। उनके पिता बस कंडक्टर हैं और मां आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। उन्होंने भगत सिंह कॉलेज से ग्रेजुएशन किया है। उनके पिता चाहते थे कि वह यूपीएससी की तैयारी करें, लेकिन शौकीन छात्र राजनीति में आना चाहते थे।

हैट्रिक

तमसास संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ (DUSU) चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) ने तीन पदों पर जीत हासिल की। ABVP के यश डबास अध्यक्ष बने हैं। वहीं रिया छावड़ी को सचिव और लक्ष्यराज सिंह को संयुक्त सचिव पद पर जीत मिली।

उपाध्यक्ष पद निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने जीता। उन्हें 30 हजार से ज्यादा वोट मिले। पिछले 17 सालों में यह पहली बार है जब DUSU के केंद्रीय पैनल में कोई निर्दलीय उम्मीदवार जीता हो। इससे पहले 2009 में निर्दलीय मनोज चौधरी और 1991 में निर्दलीय राजीव गोस्वामी DUSU अध्यक्ष बने थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

एनएसयूआई के प्रेसिडेंट पद के उम्मीदवार विजय मीणा ने कहा- कोर्ट जाएंगे

NSUI के DUSU प्रेसिडेंट पद के उम्मीदवार विजय शंकर मीणा ने शनिवार को कहा, वे रिजल्ट में फर्जीवाड़ा हुआ है। वे इसके खिलाफ दरवाजा खटखटाएंगे। हम हारे नहीं हैं, बल्कि दिल्ली यूनिवर्सिटी का हर छात्र चुनाव जीता है। आपके समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली यूनिवर्सिटी में 2 कैंपस, इनमें 91 कॉलेज, चुनाव 52 में

दिल्ली यूनिवर्सिटी में दो कैंपस हैं। साउथ और नॉर्थ कैंपस लगभग 15 किमी की दूरी पर बने हैं। दोनों कैंपस मिलाकर DU में 91 कॉलेज आते हैं, लेकिन DUSU के चुनावों में DU के सभी कॉलेज वोट नहीं कर सकते हैं। DUSU में सिर्फ 52 कॉलेज और फैकल्टी ही सीधे तौर पर वोटिंग में हिस्सा लेते हैं। सेंट स्टीफंस, लेडी श्री राम और जीसस एंड मैरी जैसे कुछ बड़े कॉलेज भी DUSU का हिस्सा नहीं हैं।

'देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है'

पीएम मोदी ने 51 हजार नियुक्ति पत्र बांटे

इसमें आप जैसे युवाओं की बड़ी भूमिका -पीएम मोदी

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 20वें रोजगार मेले में 51 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। मोदी ने नए चुने कर्मचारियों को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ऐसे समय में भारत सरकार से जुड़े हैं, जब देश बहुत बड़े लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। ये लक्ष्य है 2047 तक विकसित भारत बनाने का। इसमें आप जैसे युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। >> (शेष पेज 06 पर)

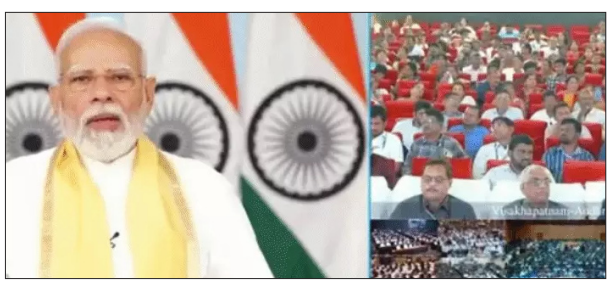

आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत

पीएम मोदी ने कहा- देश में त्योहारों का समय शुरू हो चुका है। इन खुशियों के बीच आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशी लेकर आया है। आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। आज आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत तो है ही।

प्रयागराज में संजय निषाद ने कहा - 40 साल से जहां कम वोटों से हार रहे, वह सीटें हमको दें भाजपा

हम सीट मांगने वाली नहीं जीत दिलाने वाली पार्टी : संजय निषाद

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। यूपी सरकार में मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि उनकी पार्टी केवल सीटें मांगने वाली सहयोगी नहीं है, बल्कि उन सीटों पर जीत दिलाने की क्षमता रखती है जहां भाजपा लंबे समय से कम वोटों के अंतर से हारती रही है।

उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में निषाद समाज की संख्या अधिक है और भाजपा करीब 40 वर्षों से जीत हासिल नहीं कर पाई है, उन सीटों पर निषाद पार्टी को चुनाव लड़ने का अवसर मिलना चाहिए।

प्रयागराज सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में संजय निषाद ने कहा कि उनकी पार्टी का सिद्धांत है, जहां कम, वहां हम। उनका कहना था कि जिन सीटों पर भाजपा मामूली अंतर से हारती है, वहां सहयोगी दल उस कमी को पूरा कर जीत सुनिश्चित कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने निषाद पार्टी को 16 सीटें दी थीं, जिनमें से 11 पर जीत मिली थी। इसी प्रदर्शन के आधार पर उनकी पार्टी उन सीटों पर दावा कर रही है जहां निषाद समाज का प्रभाव अधिक है और भाजपा को लंबे समय से सफलता नहीं मिली है।

अब जातियां पहले की तरह धोखा नहीं खाएंगी

संजय निषाद ने निषाद ने कहा- लंबे समय तक जातियां राजनीतिक रूप से निष्क्रिय रहीं, लेकिन अब वे अपने हितों को लेकर ज्यादा जागरूक हैं। पहले चुनाव के दौरान अलग-अलग तरीकों से वोट हासिल किए जाते थे, लेकिन अब इन समुदायों ने अपनी राजनीतिक पार्टियां बनानी शुरू कर दी हैं। कहा कि समाज अब अपने राजनीतिक प्रतिनिधित्व और हिस्सेदारी को लेकर सवाल कर रहा है।

संजय निषाद ने कहा- निषादों को ओबीसी की सूची से हटाकर अनुसूचित जाति की सूची में शामिल किया जाए

निषाद पार्टी प्रत्याशी मांगने वाली नहीं, जीत देने वाली

सीट बंटवारे को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा- उनकी पार्टी को केवल सीट मांगने वाली पार्टी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश उन सीटों पर जीत दिलाने की है, जहां भाजपा लंबे समय से कमजोर प्रदर्शन करती रही है।

उन्होंने कहा कि अगर किसी सीट पर भाजपा कम वोटों से हार रही है और वहां निषाद समाज की संख्या पर्याप्त है, तो उस सीट पर निषाद पार्टी को चुनाव लड़ने का अवसर दिया जाना चाहिए।

संजय निषाद ने उत्तर प्रदेश की सरकारी नौकरियों में विभिन्न राजनीतिक दलों के शासनकाल के दौरान जातीय हिस्सेदारी को लेकर भी दावा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में करीब 28 लाख नौकरियों के आंकड़े के संदर्भ में अलग-अलग समुदायों के कब्जे की बात सामने आती है। पिछली सरकारों के दौरान कुछ प्रभावशाली जातीय समूहों को सरकारी नौकरियों में ज्यादा प्रतिनिधित्व मिला।

गोरखपुर में संजय निषाद से मिले बीजेपी यूपी प्रभारी तावड़े

भाजपा से नाराजगी की चर्चा पर विराम लगा

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश के प्रभारी विनोद तावड़े देर रात तक एक्टिव नजर आए। होटल में खाना खाने के बाद रात 10 बजे वह निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पादरी बाजार स्थित आवास पहुंच गए। दिन में जनप्रतिनिधियों की बैठक में डा. संजय भी पहुंचे थे, वहीं घर आने का निमंत्रण दिया था। तावड़े का निषाद परिवार में जोरदार स्वागत किया गया। डा. संजय की पत्नी, तीनों बेटों, बहुओं और पोते-पोतियों ने तावड़े से मुलाकात की। काफी देर तक बातें होती रहीं। इस मुलाकात के साथ ही डा. संजय के भाजपा से नाराजगी की चर्चाओं पर विराम लग गया है। चुनाव में सहयोगी दलों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होने वाली है। प्रदेश प्रभारी ने बैठक में ही यह संकेत दिया है कि निषाद मतदाताओं

पर फोकस करना है। यही कारण है कि वह सहयोगी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बुलावे पर उनके घर पहुंचे। गेट से बाहर आकर डा. संजय, उनके पुत्रों अमित निषाद, पूर्व सांसद प्रवीण निषाद व विधायक ई. सरवन निषाद ने उनका स्वागत किया। उसके बाद उन्हें अपने बैठक कक्ष में ले गए, जहां परिवार की महिलाओं और बच्चों से भी मुलाकात करवायी।

कुछ दिन पहले डा. संजय निषाद सपा के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय से मिलने पहुंचे थे। उनकी तबीयत खराब थी।

फास्ट न्यूज

नारकोटिक्स दवाएं मिलने पर मेडिकल स्टोर सील

फतेहपुर। फतेहपुर बाराबंकी के ब्राह्मणी टोला में स्थित सत्यम फार्मा एंड सर्जिकल स्टोर पर शनिवार को औषधि विभाग की टीम ने अचानक छापा मारा। औषधि निरीक्षक रजिया बानो के नेतृत्व में टीम ने स्टोर में मौजूद दवाओं और बिक्री से जुड़े कागजात की जांच की। जांच के दौरान टीम को नारकोटिक्स श्रेणी की कुछ दवाएं और इंजेक्शन मिले, जिससे हड़कंप मच गया।

गोरखपुर-अवैध संबंध के शक में बीएससी छात्र की हत्या

गोरखपुर । गोरखपुर में बीएससी छात्र कार्तिकेय उर्फ शुभम मिश्रा (19) की अवैध संबंध के शक में हत्या की गई थी। घर के सामने रहने वाले पटीदार को गिरफ्तार कर पुलिस ने शनिवार को घटना का पर्दाफाश कर दिया। आरोपी पटीर संतोष मिश्रा कार्तिकेय के घर के ठीक सामने रहता है।

पुलिस ने गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की तो हत्यारोपी ने बताया कि मेरी पत्नी से शुभम बात करता था। उससे मिलता जुलता था। इस वजह से उसे मार दिया। पुलिस मोबाइल कॉल डिटेल से आरोपी के घर तक पहुंची।

गहने लेकर नाबालिग फरार

गोरखपुर । गोरखपुर में छोटे भाई- बहनों को सुलाकर 17 साल की नाबालिक फरार हो गई। साथ में घर में रखें गहने भी ले गई। मां बाजार किसी काम से गई थी। काफी दिनों तक खोजबीन करने के बाद भी जब कुछ पता नहीं चला तो शुक्रवार मां ने कैंपियरगंज थाने में तहरीर दी। जिसके माध्यम से उसने आरोप लगाया कि गांव का ही एक लड़का बहलाफुसला कर उसे चेन्नई लेकर चला गया है। मामले में आरोपी के खिलाफ FIR दर्ज कर लिया गया है।

नाबालिग किशोरी को अगवा कर दूसरे जनपद ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर अगवा कर दूसरे जनपद ले जाने और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने के आरोप में फरार चल रहे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कोतवाल अमित सिंह भदौरिया ने बताया कि सूरतगंज कस्बा निवासी 20 वर्षीय महफूज आलम पुत्र मोबीन के खिलाफ किशोरी के परिजनों की ओर से 28 अगस्त को शिकायत दर्ज कराई गई थी। आरोप था कि आरोपी किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसे दूसरे जनपद में ले जाकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने किशोरी को बरामद कर उसके बयान दर्ज किए। इसके साथ ही उसका मेडिकल परीक्षण भी कराया गया। किशोरी के बयान और मेडिकल परीक्षण के आधार पर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस के अनुसार आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहा था।।शुक्रवार की रात पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी महफूज आलम को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ एवं आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शनिवार को उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इसी क्रम में मोहम्मदपुर खाला पुलिस ने सूरतगंज कस्बा निवासी नफर वारंटी तुफैल अहमद पुत्र बाबू को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे भी न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

20 बीघा जमीन नदी में समाई, अस्पताल में कोबरा निकला, कटान के कारण 20 बीघा खेती वाली जमीन नदी में समा गई

लखनऊ-कानपुर समेत 10 शहरों में बारिश, 31 में अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में मानसून जाते-जाते भी जमकर बरस रहा है। शनिवार को लखनऊ, कानपुर, बरेली, बहराइच और झांसी समेत 10 शहरों में तेज बारिश हुई। कानपुर में दोपहर 2 बजे दिन में अंधेरा छा गया। इसके बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई। लखनऊ में दोपहर 12 बजे अचानक मौसम बदला। आसमान में काले बादल छा गए। कई इलाकों में तेज बारिश हुई।

इधर, बारिश से उफनाई नदियों का जलस्तर अब घटने लगा है। गोंडा में घाघरा नदी का पानी कम होने से 25 गांवों से बाढ़ का पानी उतर गया है, जबकि 10 गांव अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। कटान के कारण 20 बीघा खेती वाली जमीन

नदी में समा गई। मऊ में 2 दिन में 5 बीघा जमीन सरयू में समा चुकी है। काशी में गंगा का जलस्तर घटने से घाटों की सीढ़ियों से पानी उतर गया है। बाराबंकी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) की OPD में गुरुवार देर रात कोबरा सांप निकलने से हड़कंप मच गया। वन विभाग ने रेस्क्यू करके जंगल में छोड़ा। पीलीभीत में शुक्रवार शाम गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान 19 साल का युवक नहर के तेज बहाव में बह गया।

मौसम विभाग ने आज 31 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक, अगले 12 से 24 घंटे में राजस्थान के रास्ते मानसून की वापस जाना शुरू हो जाएगा। इसके बाद बारिश कम होगी। 3-4 दिन बाद बारिश का सिलसिला बिल्कुल थम जाएगा। तापमान में बढ़ोतरी होने लगेगी।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-हिमाचल प्रदेश के ऊपर पश्चिमी विक्षोभ बना है। यह अरब सागर से नमी वाली हवा खींचकर यूपी की तरफ बढ़ा रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर पूर्वांचल के जिलों में दिख रहा है, इसलिए वहां हल्की-फुल्की बारिश हो रही है। हालांकि, पश्चिमी और मध्य यूपी में बारिश धीरे-धीरे कम और कमजोर होने लगी है।

जालौन में अचानक बदला मौसम, तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश

जालौन में पिछले कई दिनों से उमस भरी गर्मी और चिलचिलाती धूप से परेशान लोगों को शनिवार दोपहर राहत मिली। अचानक मौसम बदला और तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। करीब 20 मिनट से लगातार हो रही बारिश से तापमान में गिरावट आई। बारिश शुरू होते ही लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली और मौसम सुहावना हो गया।

अस्पताल में निकला कोबरा

मऊ में सरयू नदी का कटान तेज

मऊ में सरयू नदी का जलस्तर घटने के बावजूद तटवर्ती इलाकों में कटान का खतरा बढ़ गया है। गुरुवार को 69.80 मीटर रहा नदी का जलस्तर शुक्रवार को 10 सेमी घटकर 69.70 मीटर पर पहुंच गया। नदी खतरे के निशान 69.90 मीटर से 20 सेमी नीचे बह रही है। जलस्तर घटने से बाढ़ का खतरा कम हुआ है, लेकिन नईबाजार के सरहरा पुरवे के सामने नदी तेजी से कटान करते हुए आबादी की ओर बढ़ रही है।

मैनपुरी में शोकाकुल परिवारों को संवेदना पत्र के साथ फलदार पौधा भेंट

विरासत दर्ज होते ही परिवार को मिली खतौनी

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

मैनपुरी । संपूर्ण समाधान दिवस के बाद जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने घिरोर देहात के दो शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने परिवारों को ढांढस बंधाया।

नगला सिकरवार निवासी मृतक बलवीर सिंह के बेटे नितिन सिंह और नगला देवी निवासी मृतका नौदेवी के बेटे धर्मेंद्र कुमार को डीएम ने संवेदना पत्र दिया। इसके साथ ही विरासत दर्ज होने के बाद खतौनी की नकल और फलदार पौधा भी भेंट किया। इस मौके पर डीएम ने परिजनों से कहा कि दुख की इस घड़ी में जिला प्रशासन उनके साथ है। नगला सिकरवार के बलवीर सिंह की

मौत 11 सितंबर 2026 को हुई थी। उनके वारिसों के तौर पर पत्नी रामबेटी और बेटे दिनेश सिंह, मुकेश व नितिन सिंह के नाम लेखपाल ने विरासत में दर्ज किए।

इसी तरह, नगला देवी की नौदेवी पत्नी इतवारी लाल की मौत 4 सितंबर 2026 को हुई थी। उनके वारिस के रूप में धर्मेंद्र कुमार का नाम दर्ज कर विरासत की प्रक्रिया पूरी की गई। परिवार को खतौनी की कॉपी भी दी गई।

इस दौरान, मृतकों की याद को बनाए रखने के लिए परिवारों को फलदार पौधे भी दिए गए। डीएम ने परिजनों से इन पौधों को लगाने की अपील की।

डीएम ने बताया कि विरासत का समय पर दर्ज होना सरकार की सबसे जरूरी कामों में से एक है। इसी के तहत दोनों मृतकों के वारिसों के नाम संबंधित खातों में दर्ज कर दिए गए हैं। इसकी कॉपी परिवारों को दी गई है। इससे उन्हें पता चल सकेगा कि राजस्व रिकॉर्ड में उनके नाम दर्ज हो गए हैं।

जिलाधिकारी ने परिजनों से यह भी कहा कि अगर उन्हें जिला प्रशासन से किसी और योजना के तहत मदद चाहिए या कोई समस्या है, तो वे प्रशासन को बता सकते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि परिवारों की समस्याओं को हल करने के लिए प्रशासन की तरफ से पूरी मदद की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह पौधा दिवंगत की याद को संजोने के साथ-साथ पर्यावरण बचाने में भी मदद करेगा। इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी शिवम मिश्रा और उप जिलाधिकारी घिरोर सुनिष्ठा सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

तालाब में डूबने से 12 वर्षीय किशोर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। थाना क्षेत्र के में शनिवार दोपहर बाद एक दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय किशोर की तालाब में डूबने से मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच-पड़ताल करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के पर्वतपुर गांव निवासी राम छबीले का (12) वर्षीय बेटा सौरभ तिवारी शनिवार दोपहर बाद शौच के लिए गांव के बाहर स्थित तालाब के पास गया था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा। किशोर के तालाब में गिरने की जानकारी आसपास मौजूद बच्चों व स्थानीय परिजनों को हुई, जिसके बाद उसे पानी से बाहर निकालने का प्रयास किया गया। हालांकि, तब तक किशोर की डूबने से मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। मासूम बेटे की मौत की खबर से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मां समेत परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। आसपास के ग्रामीण भी मौके पर एकत्र हो गए। बताया गया कि मृतक सौरभ तिवारी तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था। उसकी 19 वर्षीय बहन सलोनी और 15 वर्षीय बड़ा भाई रामविनय है। परिवार में सबसे छोटे बेटे की अचानक हुई मौत से सभी गहरे सदमे में हैं। सूचना मिलने पर मोहम्मदपुर खाला पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

लापरवाही: मंत्री ने किया है निलंबित, बोला - 20 अगस्त को ही दी थी पीएम कार्यालय-नगर निगम को पंप बंद करने की सूचना

जल निगम के अधिशासी अभियंता ने निलंबन पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में नगर विकास मंत्री ने जल भराव पर लापरवाह अधिशासी अभियंता जलकल पवन कुमार गुप्ता को निलंबित किया था। अधिशासी अभियंता चौकाघाट स्थित 140 एमएलडी के पंप हाउस पर तैनात थे। गलियों में पानी भरने को लापरवाही मानते हुए एके शर्मा ने उन्हें निलंबित करते हुए विभागीय जांच की संस्तुति की थी। लेकिन यह पंप हाउस दस्तावेजों में 20 अगस्त को ही बाढ़ का पानी बढ़ने के बाद बंद कर दिया गया था।

निलंबित अधिशासी अभियंता ने इस मामले में सवाल उठाते हुए बातचीत में बताया कि हमारा पंप जब पत्राचार के साथ 20 अगस्त

2026 से बंद था तो हमारी इसमें लापरवाही कहां है। जिससे की शहर में पानी भरा। नगर निगम की लापरवाही है। जिसका ठीकरा हमपर फोड़ा गया है। ऐसे में 140 एमएलडी पंप हाउस चौकाघाट पहुंचकर इस पंप की कार्यप्रणाली समझी और किस कार्य में लापरवाही के चलते अधिशासी अभियंता को निलंबित किया गया। उसे जाना। चौकाघाट स्थित 140 एमएलडी पंपिंग स्टेशन पर तैनात रहे पवन कुमार गुप्ता इस समय कानपुर में अटैच किए गई है गए हैं। जल निगम के EE पर जांच चल रही है। निलंबित एग्जीक्यूटिव इंजिनियर ने कहा - नगर निगम के सभी सीवर चोक और भरे हुए हैं। जिसकी वजह से शहर में जल भरावा हो रहा है। अपनी कमी छुपाने के लिए उन्होंने हमारा नाम ले लिया। और कहा पंप नहीं चल रहा है। जबकि गंगा का पानी जब बढ़ गया है तो पंप कुछ नहीं कर सकता है। यहां बड़ा पंपिंग और रिटेनिंग वाल बननी चाहिये। यह सीवेज पंपमिंग के लिए और हमसे बाढ़ का पानी पम्पिंग करवा रहे हैं।

वरुणा नदी के पास बना है चौकाघाट पंपिंग स्टेशन

पवन कुमार गुप्ता ने बताया - पंपिंग स्टेशन चौकाघाट पर जो बना है। वह वरुणा नदी के पास है। इस बार वरुणा का जलस्तर 71 मीटर तक पहुंचा था। पूरा पानी पैक हो गया था। कई बार वरुणा का पानी पंप हाउस में भी भर गया है। ऐसे में जब हम पंप चलाएंगे तो क्या वरुणा का पानी पंप कर पाएंगे। क्यों वरुणा का पानी बढ़ गया है। ऐसे में हम पंप कितना भी करें फर्क नहीं पड़ना है। तो सीवर का पानी कैसे पंप होगा।

यहां गार्बेज को अलग कर सीवर का पानी भेजा जाता है दीनापुर एसटीपी।

जिस आधार पर किया निलंबन वह सही नहीं

EE पवन कुमार गुप्ता ने बताया - मेरा निलंबन जिस आधार पर किया गया। वह सही नहीं। चीजें कुछ और है और डायवर्ट किसी और तरफ कर दी गई है। शहर में सीवर चोक हैं। जिसकी वजह से शहर में जलभराव हो रहा है। जलभराव से बचने के लिए इनके पास को संसाधान नहीं है। उस बात को छुपाने के लिए हमारे ऊपर कार्रवाई की गई। जबकि हमने पंप भी चलाये हैं।

काशी में अमित शाह करेंगे बाइकरैली का स्वागत

वाराणसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रमों के बीच गृहमंत्री अमित शाह 7 अक्टूबर को काशी पहुंचेंगे। गृहमंत्री वडनगर से काशी आने वाले बाइक यात्रियों का स्वागत करेंगे और बाइक रैली के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। बाइक यात्रियों के साथ काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे और बाबा का महारुद्राभिषेक किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रदेश सरकार के कई मंत्री शामिल होंगे।

वहीं, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हेमांग जोशी और प्रदेश अध्यक्ष रोहित मिश्रा भी सेवा यात्रियों का स्वागत करेंगे। एनडीए के बड़े नेताओं को कार्यक्रम में बुलाने पर विचार चल रहा है। काशी और गुजरात के वडनगर से शुरू हुई सेवा संकल्प बाइक यात्रा का समापन 7 अक्तूबर को काशी में होगा। वहीं बनारस से जाने वाला दल भी 5 अक्टूबर को वडनगर पहुंच जाएगा।

अखिलेश बाबू रील्स बनाने में लगे हैं : रवि किशन

एआई फिल्मों को लेकर साधा निशाना, सपा डरी और हताश है

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सपा की ओर से जारी किए गए AI शॉर्ट फिल्मों के जरिए भाजपा पर किए जा रहे हमलों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा- अखिलेश बाबू रील्स बनाने में लगे हैं। उन्होंने कहा- सपा अपनी हार को अभी से स्वीकार कर चुकी है। उनके मुताबिक, इसी वजह से पार्टी अपनी राजनीति में एआई और शॉर्ट फिल्मों का सहारा ले रही है। इन फिल्मों और रील्स के जरिए जनता को भ्रमित करने की कोशिश की जा रही है। रवि किशन से जब पूछा गया कि- अखिलेश यादव आपके ऊपर और बीजेपी पर एआई और शॉर्ट फिल्म के जरिए लगातार निशान साधते हैं। तो रवि किशन नें कहा कि- ये रील्स

देखकर पता चलता है की सपा एकदम से डर गई है। मैं यही कहूंगा की उनको और उनकी आईटी सेल को इतना गिरना पड़ रहा है ऐसी भ्रामक और छोटी फ़िल्म बनानी पड़ रही है जिसकी वजह से जनता में काफी आक्रोश है अखिलेश को नहीं पता है कि ऐसी फिल्मों बना के वो अपना ही नुकसान कर रहे हैं। रवि किशन ने कहा कि जनता को यह बताया जाना चाहिए कि केंद्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के कार्यकाल में कितना विकास हुआ है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार में युवाओं को सम्मान और आगे बढ़ने के अवसर मिले हैं।

अंबेडकरनगर में बोले राजभर- सपा के पुराने शासन और कानून-व्यवस्था पर भी उठाए सवाल

‘रंग बदलने के पीछे राजनीतिक संदेश’

सियासत

- नीले साफे को लेकर भी साधा निशाना
- सपा के रथ के पीछे ‘सावधान यात्रा’ निकालने का दावा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रस्तावित रथ यात्रा के रंग को लेकर शनिवार को अंबेडकरनगर में सियासत गरमा गई। कैबिनेट मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने रथ के भगवा रंग को लेकर अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भगवा रंग के जरिए सपा जनता को अपनी बदली हुई

राजनीति का संदेश देने की कोशिश कर रही है। राजभर ने सपा के पिछले शासनकाल का जिक्र करते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने गुंडागर्दी, माफियागिरी, गैंगवार, लूट, डकैती और हत्या जैसी घटनाओं के आरोप लगाए। इसके मुकाबले उन्होंने योगी सरकार में अपराधियों पर कार्रवाई किए जाने का दावा किया। राजभर ने कहा कि सुभासपा सपा के रथ के पीछे ‘सावधान यात्रा’ निकालेगी। उनके अनुसार, इसमें नाई, प्रजापति, पाल, गोंड, लोहार, निषाद, राजभर, चौहान और पटेल समेत अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों के बीच सपा की नीतियों पर सवाल उठाए जाएंगे।

> राजभर ने अखिलेश यादव के नीले साफे को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने इसे सपा सरकार के कुछ पुराने फैसलों और घटनाओं से जोड़ते हुए सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि रंगों के जरिए राजनीति का संदेश देने की कोशिश हो रही है।

‘भगवा रंग से क्या संदेश देना चाहती है सपा’

राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव के रथ का बदला रंग केवल रंग परिवर्तन नहीं है। उनके मुताबिक इसके जरिए सपा अपनी राजनीतिक छवि में बदलाव का संदेश देने की कोशिश कर रही है। उन्होंने सपा शासनकाल में रामभक्तों पर गोली चलाए जाने की घटना का भी जिक्र किया।

राजभर के इन बयानों पर समाजवादी पार्टी या अखिलेश यादव की ओर से इस खबर के समय तक कोई ताजा प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं थी।

सालों पुराने रास्ते के विवाद पर डीएम सख्त, होगी नापजोख

चौबे का पूरा में ग्रामीणों ने समाधान दिवस में उठाया मुद्दा

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर (अंबेडकरनगर)। चौबे का पूरा गांव में सालों पुराने रास्ते के विवाद को लेकर अब प्रशासन ने कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। ग्रामीणों की शिकायत पर जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने राजस्व और पंचायत विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर नापजोख और निशानदेही कराने को कहा है। ग्राम समाज की जमीन पर अतिक्रमण मिलने पर उसे हटाने की कार्रवाई भी होगी।

गांव के गुलाम मोहम्मद समेत अन्य ग्रामीणों ने संपूर्ण समाधान दिवस में रास्ते की समस्या उठाई थी। ग्रामीणों के अनुसार, गांव से बाहर आने-जाने के लिए पुराना रास्ता उनके पूर्वजों के समय से इस्तेमाल होता रहा है। यह रास्ता

बंजर जमीन से होकर गुजरता है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोग रास्ते को निजी जमीन बताकर बंद करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे ग्रामीणों के आवागमन में परेशानी हो रही है। उन्होंने पुराने राजस्व नक्शे के आधार पर रास्ते की नापजोख कराने और स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दौरान रास्ते पर पानी भर जाता है। इससे पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने रास्ते पर खड़ंजा निर्माण कराने की मांग की है।

डीएम के निर्देश के बाद राजस्व विभाग की टीम मौके पर जाकर रास्ते और आसपास की जमीन की नापजोख करेगी। निशानदेही के बाद रास्ते की स्थिति स्पष्ट होगी। यदि ग्राम समाज की जमीन पर अतिक्रमण पाया जाता है तो नियमानुसार उसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी। रास्ते के निर्माण को लेकर भी आगे की प्रक्रिया नापजोख के बाद तय होगी।

शिकायत करने वालों में गुलाम मोहम्मद, रामधारी, अंगद, बाबूराम, जनकधारी, छोटेलाल, मनदीप कुमार, सुरेश और पूजा शामिल हैं।

फास्ट न्यूज

पांचवें दिन भी नहीं चला सर्वर

रामनगर। उप डाकघर में पिछले पांच दिनों से सर्वर की तकनीकी समस्या के कारण जमा-निकासी का काम प्रभावित है। खाते से रकम निकालने और जमा करने पहुंचे उपभोक्ताओं को इंतजार के बाद लौटना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं के मुताबिक, रोजाना बड़ी संख्या में लोग डाकघर पहुंच रहे हैं। लेकिन सर्वर काम नहीं करने की जानकारी देकर उन्हें लेन-देन के बिना वापस कर दिया जाता है।

शिवबाबा के पास बेकाबू बुलेट ई-रिक्शा से टकराई

अंबेडकरनगर। अकबरपुर इलाके में शनिवार को सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसा अकबरपुर-अयोध्या मार्ग पर शिवबाबा के पास हुआ। युवक बुलेट पर दो साथियों के साथ सवार था। हादसे में दोनों साथी भी घायल हो गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महरुआ थाना क्षेत्र के बरामदपुर जरियारी निवासी विपिन यादव (25) अपने साथी अंकित (24) और संदीप पांडेय (23) के साथ बुलेट से अन्नावा से अकबरपुर की ओर जा रहे थे। शिवबाबा के पास अचानक बुलेट अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा से टकरा गई।

डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी को नई जिम्मेदारी

अंबेडकरनगर। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष और अयोध्या जिला प्रभारी डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी को संगठन में नई जिम्मेदारी मिली है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी नई सूची में उन्हें प्रकोष्ठ संकुल का सह-संयोजक बनाया गया है। उनके साथ संतराज यादव को भी सह-संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। नई जिम्मेदारी की जानकारी मिलते ही अंबेडकरनगर में उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है।

रंगों और शब्दों में बच्चों ने उकेरा अपने सपनों का भारत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर शुक्रवार को जिले के विभिन्न विद्यालयों में चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं हुईं। विद्यार्थियों ने चित्रों और अपने विचारों के जरिए विकसित भारत की कल्पना प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में कक्षा पांच से आठ तक के विद्यार्थियों ने चित्रकला और कक्षा नौ से 12 तक के विद्यार्थियों ने भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया।

चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने शिक्षा, तकनीक, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, आत्मनिर्भरता और नवाचार जैसे विषयों को चित्रों के माध्यम से सामने रखा। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आधुनिक भारत और देश के विकास से जुड़े अपने विचार साझा किए।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अकबरपुर, राजकीय इंटर कॉलेज अकबरपुर, सावित्री बाई फुले राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कुर्की

- ‘मेरे सपनों का भारत’ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई कल्पना , शिक्षा-तकनीक से लेकर स्वच्छता और पर्यावरण तक पर रखे विचार

बाजार, बीएन इंटर कॉलेज अकबरपुर और राम अवध जनता इंटर कॉलेज बरियावन समेत अन्य विद्यालयों में प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। ‘मेरे सपनों का भारत’ कार्यक्रम के तहत विद्यालय स्तर पर चित्रकला और भाषण-डिबेट प्रतियोगिताएं 17 सितंबर से सात अक्टूबर तक आयोजित की जानी हैं।

सपा नेता अयाज हत्याकांड में पूर्व कॉलेज प्रबंधक को उम्रकैद

टांडा के ताज तिराहे पर 2019 में हुई थी सपा नेता की हत्या

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा नगर पालिका अध्यक्ष शबाना नाज के पति और सपा नेता मोहम्मद अयाज उर्फ गुल्लू की हत्या के मामले में अदालत ने शनिवार को फैसला सुनाया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम पवन कुमार शुक्ला ने पूर्व कॉलेज प्रबंधक उबैदुर्रहमान को हत्या का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत ने उस पर 20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। मामले के दूसरे आरोपी वसीम असगर को अदालत ने दोषमुक्त कर दिया। मोहम्मद अयाज की मई 2019 में अलीगंज के ताज तिराहे पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के बाद उन्हें अस्पताल ले

जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मुकदमे में उबैदुर्रहमान और वसीम असगर आरोपी बनाए गए थे। उबैदुर्रहमान कौमी इंटर कॉलेज, टांडा के पूर्व प्रबंधक रहे हैं। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, हत्या के पीछे प्रबंधकीय विवाद को कारण बताया गया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्य अदालत के सामने रखे। अभियोजन की ओर से एडीजीसी क्रिमिनल सुभाष चंद्र वर्मा ने पैरवी की। बचाव पक्ष ने आरोपों से इनकार करते हुए उबैदुर्रहमान को निर्दोष बताया।

गांव पहुंचकर अधिकारियों ने सुनीं समस्याएं कई का मौके पर निस्तारण

महमदपुर चपरा समेत विभिन्न पंचायतों में लगी ग्राम चौपाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए शुक्रवार को जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल आयोजित की गई। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने गांव पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। जिन मामलों का मौके पर समाधान संभव था, उनका निस्तारण कराया गया।

चौपाल में ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी और विकास योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया। लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश भी दिए गए। गांव में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। भीटी तहसील क्षेत्र के महमदपुर चपरा ग्राम पंचायत में कटेहरी

विधायक धर्मराज निषाद की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल हुई। इसमें ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याएं और मांगें अधिकारियों के सामने रखीं। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रकरणों को सुना और नियमानुसार मौके पर समाधान की कार्रवाई की।

चौपाल में खंड विकास अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी पंचायत, ग्राम्य विकास, समाज कल्याण और कृषि विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। ग्राम पंचायत सचिव, प्रधान, लेखपाल और विद्युत विभाग के एसडीओ समेत अन्य विभागों के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

नक्षत्रशाला लैब शुरू, टेलीस्कोप समेत आधुनिक उपकरणों से सीखेंगे अंतरिक्ष विज्ञान

स्कूल में ही बच्चे समझेंगे ग्रह-नक्षत्रों का संसार

> नक्षत्रशाला लैब का निर्माण जिला पंचायत निधि से कराया गया है। शुभारंभ के दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सुभासपा जिलाध्यक्ष, विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक और ग्रामवासी मौजूद रहे।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्राथमिक विद्यालय अकबरपुर में अब बच्चे किताबों से आगे बढ़कर ग्रह, नक्षत्र और अंतरिक्ष विज्ञान को उपकरणों के माध्यम से समझ सकेंगे। जिला पंचायत निधि से तैयार नक्षत्रशाला लैब का गुरुवार को जिले के प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने शुभारंभ किया। उन्होंने शिक्षकों से लैब का नियमित और प्रभावी उपयोग कराने के निर्देश दिए।

शुभारंभ के बाद प्रभारी मंत्री ने नक्षत्रशाला लैब का अवलोकन किया। उन्होंने वहां लगे टेलीस्कोप समेत विभिन्न उपकरणों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लैब के माध्यम से बच्चों को खगोलीय घटनाओं, ग्रहों और नक्षत्रों से जुड़े विषयों को रुचिकर और व्यवहारिक तरीके से समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि नक्षत्रशाला का उपयोग केवल प्रदर्शन तक सीमित न रहे। बच्चों को इसके माध्यम से वैज्ञानिक दृष्टिकोण और अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के अवसर दिए जाएं।

आधुनिक संसाधनों से पढ़ाई को जोड़ा जाएगा

प्रभारी मंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आधुनिक तकनीकी और वैज्ञानिक संसाधनों से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम लाभ उठाने और मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा।

लम्पी-एफएमडी से पशुधन की सुरक्षा की कवायद तेज

1.77 लाख पशुओं को एफएमडी और 42,600 गोवंश को लम्पी का टीका

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। गोवंशीय पशुओं को संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए जिले में टीकाकरण अभियान तेज कर दिया गया है। अब तक 1,77,650 पशुओं को एफएमडी और 42,600 गोवंशीय पशुओं को लम्पी स्किन डिजीज से बचाव का टीका लगाया जा चुका है। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अभियान की लगातार निगरानी करते हुए सभी पात्र पशुओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। जिले में एफएमडी टीकाकरण के लिए 2,99,700 डोज और लम्पी से बचाव के लिए 1,20,000 गोवंशीय पशुओं के टीकाकरण की वैक्सीन उपलब्ध है। विभाग ने शेष पशुओं तक पहुंचने के लिए गांव-गांव टीमें भेजी हैं। पशु चिकित्सा अधिकारियों की

निगरानी में पशुधन प्रसार अधिकारी, पशु मित्र और पैरावेट्स टीकाकरण कर रहे हैं। ग्राम पंचायतों में तैनात पंचायत सहायकों को टीम के साथ रहकर टीकाकरण का रिकॉर्ड दर्ज कराने में सहयोग करने को कहा गया है। इससे अभियान की प्रगति की निगरानी की जा सकेगी।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि जिले में फिलहाल लम्पी स्किन डिजीज और एफएमडी के प्रकोप की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने पशुपालकों से टीकाकरण टीमों को सहयोग देने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि किसी गोवंश में तेज बुखार, मुंह से लार गिरना या शरीर पर कठोर गांठ जैसे लक्षण दिखाई दें तो उसे अन्य पशुओं से अलग रखें। ऐसे पशु को चरने के लिए बाहर न भेजें और तत्काल पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचना दें।

डीएम ने कहा कि किसी कारण से यदि किसी पशु का टीकाकरण नहीं हो पाया है तो पशुपालक नजदीकी पशु चिकित्सा अधिकारी से संपर्क करें। उन्होंने विभाग को अभियान में किसी स्तर पर लापरवाही न बरतने और निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

49 युवाओं के हाथ आई नियुक्ति, स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेंगे नए कर्मचारी

तीन फार्मासिस्ट जिले के रिक्त पदों पर होंगे तैनात

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में अब जिले को 49 नए कर्मचारी मिलेंगे। शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 30 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट और 19 एक्सरे टेक्नीशियन को नियुक्ति पत्र दिए गए। लखनऊ में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के बाद जिले में भी चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। एमएलसी हरिओम पांडेय और कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। कार्यक्रम में चयनित युवाओं के परिजन और विभागीय अधिकारी भी मौजूद रहे। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से वर्ष 2024 में भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसी प्रक्रिया में जिले के अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। होम्योपैथिक फार्मासिस्ट के 361 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। जिले में रिक्त तीन पदों पर भी

- कलेक्ट्रेट में 30 होम्योपैथिक फार्मासिस्ट और 19 एक्सरे टेक्नीशियन को बांटे नियुक्ति पत्र

चयनित फार्मासिस्टों की तैनाती की जाएगी। एमएलसी हरिओम पांडेय ने कहा कि युवाओं को रोजगार मिलना महत्वपूर्ण है। जिले के युवाओं का चयन होना उनके लिए उपलब्धि है।

कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद ने चयनित अभ्यर्थियों से अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाने और मरीजों को बेहतर सेवाएं देने की अपील की।

निर्देश : डीएम ने अधिकारियों को समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

समाधान दिवस में डीएम ने सुनी फरियाद

- जलालपुर में 88 शिकायतें, छह का मौके पर निस्तारण
- आलापुर में सबसे अधिक 15 शिकायतें निस्तारित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शनिवार को जिले की पांच तहसीलों में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 403 शिकायतें पहुंचीं। इनमें 38 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। सबसे अधिक 107-107 शिकायतें अकबरपुर और आलापुर तहसील में पहुंचीं। जलालपुर में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जलालपुर तहसील

में डीएम की अध्यक्षता में समाधान दिवस हुआ। यहां विभिन्न विभागों से संबंधित 88 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें छह शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने एक-एक कर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों की जांच कर निर्धारित समय में कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि जिन मामलों में मौके पर जांच जरूरी है, उनमें अधिकारी स्वयं स्थल पर जाकर स्थिति देखें। शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। आंकड़ों के अनुसार अकबरपुर में 107 शिकायतों में छह का मौके पर निस्तारण हुआ। टांडा में 46 में छह, भीटी में 55 में पांच और आलापुर में 107 शिकायतों में 15 का मौके पर समाधान किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए समयसीमा में कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

लापरवाही मिली तो तय होगी जवाबदेही

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनसुनवाई से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण में किसी तरह की शिथिलता न हो। निस्तारण की गुणवत्ता और प्रगति में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। राजस्व, पुलिस, विकास, विद्युत, स्वास्थ्य, नगर निकाय और चकबंदी समेत सभी विभागों को आपसी समन्वय से मामलों का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

एक साल से जर्जर सड़क, गड्ढों और कीचड़ से बेहाल एससी बस्ती

मुबारकपुर पिकार में 60 परिवारों की आवाजाही मुश्किल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत मुबारकपुर पिकार की एससी बस्ती में सड़क की बदहाली से ग्रामीण परेशान हैं। करीब एक वर्ष से बस्ती को मुख्य सड़क से जोड़ने वाला खड़ंजा मार्ग जर्जर पड़ा है। जगह-जगह बड़े गड्ढे हैं। बारिश के बाद इनमें पानी भर जाता है और कीचड़ फैल जाता है। इससे करीब 60 परिवारों के 250 से अधिक लोगों की आवाजाही प्रभावित है। ग्रामीणों के मुताबिक, मार्ग की हालत इतनी खराब है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। दोपहिया वाहन फिसलने से लोग चोटिल हो चुके हैं। छोटे वाहनों के फंसने और पलटने की घटनाएं भी होने की बात ग्रामीणों ने कही है।

ग्रामीणों का कहना है कि जर्जर मार्ग के कारण आपात स्थिति में परेशानी बढ़ जाती है। उनके मुताबिक, कई बार एंबुलेंस और

डायल-112 का वाहन बस्ती तक पहुंचने में दिक्कत होती है। ऐसे में मरीजों को मुख्य सड़क तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की खराब स्थिति की जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों को पहले से है। इसके बावजूद अब तक मरम्मत नहीं कराई गई। लोगों ने मार्ग की स्थिति की जांच कराकर स्थायी समाधान की मांग की है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और खंड विकास अधिकारी से सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

सम्पादकीय

मुश्किलों से घिरीं ममता

ममता बनर्जी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले निर्वाचन आयोग ने अंतरिम फैसले के जरिये उनकी पार्टी का नाम और चुनाव चिह्न जब्त कर लिया और अब राज्य के दो विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों में से एक में उनकी प्रत्याशी ने अपना नाम वापस ले लिया। इससे यही पता चलता है कि पश्चिम बंगाल में 15 वर्षों तक शासन करने वालीं ममता बनर्जी सत्ता हाथ से जाते ही चौतरफा मुश्किलों से घिर गई हैं। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में पराजय के बावजूद तृणमूल कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी थी, लेकिन फिर बिखराव का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। पहले विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के अधिसंख्य विधायकों ने ममता बनर्जी और उनके भतीजे के विरुद्ध विद्रोह कर दिया और फिर बीस लोकसभा सदस्य भी पार्टी से छिटक गए। आज स्थिति यह है कि ममता बनर्जी विधानसभा में भी अपना प्रभाव खो चुकी हैं और लोकसभा में भी। यह भी ध्यान रहे कि उनके कुछ राज्यसभा सदस्य भी पार्टी छोड़ चुके हैं।

यह संभवतः पहली बार है, जब किसी राज्य में लगातार तीन कार्यकाल पूरे करने वाली कोई पार्टी इस तरह बिखरी हो। राजनीति में कुछ भी हो सकता है, लेकिन इस समय ममता बनर्जी जिस तरह चौतरफा संकट से घिरी हुई हैं, उसे देखते हुए यह कहना कठिन है कि राजनीतिक रूप से उनकी वापसी हो सकती है। वैसे तो जैसे तृणमूल कांग्रेस में टूट-फूट हुई, वैसे ही महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ भी हो चुकी है, लेकिन इन दोनों दलों के मुकाबले ममता की पार्टी राजनीतिक रूप से कहीं अधिक सशक्त थी। ममता चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देंगी, लेकिन इसमें संदेह है कि उन्हें राहत मिल सकेगी।

तृणमूल कांग्रेस की दुर्गति यही बता रही है कि विचारधारा-विहीन राजनीतिक दलों का भविष्य उज्ज्वल नहीं होता और जैसे ही वे सत्ता खोते हैं अथवा सत्ता पाने में सक्षम नहीं दिखने लगते, उनमें बिखराव शुरू हो जाता है। तृणमूल कांग्रेस में बिखराव का मूल कारण यह है कि परिवर्तन के नारे के साथ सत्ता में आईं ममता बनर्जी ने मनमाने तरीके से शासन चलाया। उन्होंने भ्रष्ट और अराजक तत्वों को संरक्षण प्रदान किया। इससे ऊबी जनता ने मौका मिलते ही उन्हें सबक सिखाया। ऐसा ही वामदलों के साथ हुआ था। दोनों में साझा यह है कि उन्होंने दमनात्मक तरीके से शासन चलाया। भले ही ममता बनर्जी अपनी पार्टी की दुर्गति के लिए भाजपा और चुनाव आयोग को दोष दें, लेकिन अपनी स्थिति के लिए वही जिम्मेदार हैं। तृणमूल कांग्रेस की दुर्गति से सत्ता में आकर मनमानी करने वाले राजनीतिक दलों को सबक लेना चाहिए।

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

> 66
> तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक विभाजन के बाद दोनों गुटों द्वारा अधिकार जताए जाने के कारण आयोग को कड़ा कदम उठाना पड़ा। वर्षों पूर्व जिस पहचान को उन्होंने अपने कड़े परिश्रम और संघर्ष से सींचा था, उसी से वंचित हो जाना उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा संवैधानिक झटका माना जा रहा है।

ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छात्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में घोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो 'दीदी' कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी।

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बगावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही रवैये को लेकर बगावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुंच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न 'जोड़ा फूल' को फ्रीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थाई रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का 'काला दिन' बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआई-आर दर्ज की गई हैं। अगस्त 2026 में कोलकाता में छात्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकत्ता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को रु. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे भ्रष्टाचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और भ्रष्टाचार के मामलों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेनोग्राफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस 'गंदे खेल' के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है। भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शून्य से उठकर जन आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छात्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बगावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों में न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा। इस परिणाम ने यह सिद्ध कर दिया कि राज्य में बदलाव की लहर अत्यधिक तीव्र थी। निरंतर शासन से उपजी असंतुष्टि, विभिन्न भर्ती घोटालों के आरोप तथा स्थानीय स्तर पर उपजे जन-रोष ने मिलकर उनकी दलगत जड़ों को कमजोर कर दिया, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक समीकरण का उदय हुआ। किसी भी क्षेत्रीय दल की वास्तविक शक्ति उसका सुदृढ़ संगठन, शालीन भाषा, लोकतांत्रिक मर्यादा और नेतृत्व के प्रति अटूट निष्ठा होती है। तृणमूल कांग्रेस में लगभग तीन दशकों तक ममता बनर्जी ही सर्वमान्य चेहरा और अंतिम निर्णयकर्ता रहीं। किंतु चुनावी असफलता के उपरांत पार्टी के भीतर दबा हुआ असंतोष अचानक बाहर आ गया। विधायकों और सांसदों के एक बड़े धड़े ने शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न खड़े कर दिए।

यद्यपि उन्होंने इस निर्णय को लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध बताते हुए शीर्ष अदालत का द्वार खटखटाया है, परंतु तत्काल रूप से इस स्थिति ने दल के कार्यकर्ताओं में भारी असमंजस पैदा कर दिया है। सत्ता से बाहर होते ही ममता बनर्जी बहुआयामी कानूनी चुनौतियों से भी घिर गई हैं।

– ललित गर्ग

स्टेट बैंक ने पिछले ...

हरीश कुमार सिंह

यूपीआई भुगतान पर टैक्स अव्यावहारिक लागू न करना ही समाधान

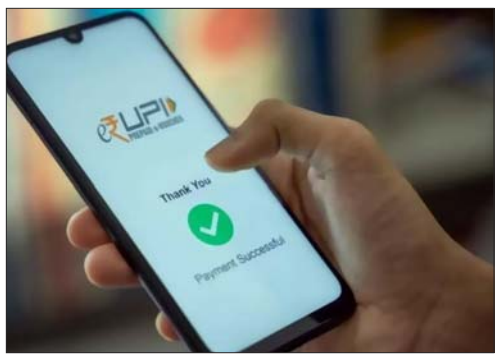

पिछले दस वर्षों से मुफ्त में यूपीआई से भुगतान करने की आदत हम सबको हो गई थी। चाय वाले से लेकर हवाई जहाज के टिकट तक, एक क्यूआर से देश में लेनदेन आसानी से चल रहा था। और अब अचानक से खबर आई कि दो हजार रुपये से ज्यादा के मोबाइल से भुगतान करने पर टैक्स लगेगा। सरकार का कहना है कि भुगतान जिस व्यापारी को किया गया है उससे टैक्स वसूला जाएगा। प्रचार किया जा रहा है कि टैक्स आम आदमी से नहीं लिया जाएगा बल्कि सामने वाला व्यापारी भरेगा। ये कौन सा तर्क है? सामने वाला व्यापारी क्या इस देश का नहीं है? वह भी तो देश का ही नागरिक है। क्या उसकी जेब काटना देशभक्ति हो गया? और व्यापारी को जो टैक्स देना है, उसका नाम भी कितना छलावा भरा है - एमडीआर। मर्चेंट डिस्काउंट रेट।

अब इसमें डिस्काउंट अर्थात कटौती क्या है? नाम डिस्काउंट है और वसूल रहे हैं टैक्स। वैसे ही जैसे हर बार आदमी की जेब काटने से पहले नए शब्दों को गढ़ा जाता है। जैसे देश भर में आम आदमी के टैक्स से बनने वाली सड़क पर जबरन के टोल नाकों पर भी टोल टैक्स का नाम यूजर फी है, महंगाई का नया नाम विकास है और अब यूपीआई पर वसूलने वाला टैक्स, डिस्काउंट अर्थात कटौती हो गया है। आदेश जारी हो गया है जो आगामी पंद्रह अक्तूबर से प्रभावशील है और दो हजार रूपये तक के भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा मगर दो हजार रुपये से ज्यादा के भुगतान पर 0.4 प्रतिशत अधिकतम तीन सौ रुपये टैक्स व्यापारी से लिया जायेगा जिसको ग्राहक ने भुगतान किया है। डिजिटल भुगतान तो देश में आने और छा जाने वाली क्रांति थी तो क्रांति पर टैक्स कब से लगने लगा मित्रों । सरकार और कॉर्पोरेट जियो कंपनी में अब कोई अंतर नहीं रह गया है। पहले आदत डालो, नशे जैसी, अफीम जैसी और फिर कीमत वसूल करना चालू कर दो। जब जियो क्रांति आई तो कई महीनों तक जियो ने मुफ्त का डाटा और गजब की स्पीड दी और पूरा इंडिया सिर्फ जियो का दीवाना हो गया। बाकी टेलीकॉम कंपनियां लगभग बंद हो गयी तो कुछ ने एकीकरण कर लिया। फिर जब जियो का एकाधिकार हो गया तो फिर जियो ने रंग दिखाया और डाटा की कीमत वसूलना आरम्भ कर दी। आज सबसे ज्यादा महंगा डाटा जियो का है पर मजबूरी है कि अब और कोई कंपनी टक्कर में नहीं है। घर घर डिलीवरी करने वाली कंपनियों का भी यही मॉडल रहा है। सरकार ने भी यही किया। वर्ष 2020 में खुद ही जीरो शुल्क किया था ताकि लोग डिजिटल अपनाएं। अब जब एक सेकंड में सात हजार से ज्यादा मोबाइल से भुगतान होने लगे और सबको लत सी लग गई तो ले आये टैक्स।मीडिया की भी जितनी तारीफ की जाये, कम है। प्रचार कर रहा है कि सिर्फ चार-पांच प्रतिशत को ही टैक्स लगेगा, बाकी छियानवे प्रतिशत मुक्त रहेंगे। अरे ये बाकी छियानवे ही तो इन चार को भुगतान करेंगे तो टैक्स तो खूब मिलेगा न। और जब छियानवे प्रतिशत से नहीं ले रहे तो इन चार को भी छोड़ दीजिये न। काहे देश भर में हल्ला मचवा रहे। भारत में कौन सा व्यापारी अपनी जेब से टैक्स देने का आदी है? आज भी कार्ड से भुगतान करो तो अधिकतर व्यापारी दो प्रतिशत अतिरिक्त जबरन ले लेते हैं या फिर नगद ही लेते हैं। सरकार कागज पर लिख देगी कि व्यापारी ग्राहक पर बोझ नहीं डालेगा, पर जमीन पर कौन रोकेगा? फिर वही काला धन, वही कैश का खेल शुरू।

फिर देश के सभी बैंक तो भारी मुनाफे में हैं। स्टेट बैंक ने पिछले साल साठ हजार करोड़ का मुनाफा दिखाया। ये और टैक्स किस बात का ले रहे हैं? साइबर सिक्योरिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर। तो क्या अब तक यूपीआई असुरक्षित चल रहा था? अगर असुरक्षित था तो इतना प्रचार क्यों किया? और अगर सुरक्षित था तो अब नया खर्चा कौन सा आ गया? ये सही है कि पहले की सरकारें मनीआर्डर, ड्राफ्ट या और वित्तीय सेवाओं पर अतिरिक्त राशि लेती रहीं हैं और इसीलिए तो देश ने उनसे मुक्ति पाई और आपको सिंहासन दिया। अगर सरकार डिजिटल को बढ़ावा देना चाहती है तो उस पर इनाम दे , सजा नहीं। आज यूपीआई दुनिया के लिए एक मॉडल है. उसी मॉडल को क्यों ध्वस्त किया जा रहा है ।

विद्यालयों के ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

'ऑपरेशन कायाकल्प' से परिषदीय शिक्षा का रूपांतरण

उत्तर प्रदेश में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़, आधुनिक और सर्वसुलभ बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'ऑपरेशन कायाकल्प' एक युगांतरकारी पहल के रूप में स्थापित हुआ है। वर्ष 2017 के पश्चात परिषदीय विद्यालयों के भौतिक एवं शैक्षिक परिवेश के समग्र कायाकल्प का जो अभियान प्रारंभ किया गया, उसके सकारात्मक परिणाम आज धरातल पर स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। कभी मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं के अभाव तथा सीमित संसाधनों से जूझने वाले विद्यालय अब आधुनिक तकनीक और सुदृढ़ अधोसंरचना से युक्त होकर प्रेरक शिक्षण केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं। इस राज्यव्यापी नीतिगत अभियान के अंतर्गत जनपद भदोही ने प्राथमिक शिक्षा के आधुनिकीकरण और विद्यालयी सुदृढ़ीकरण में एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। जिला प्रशासन एवं बेसिक शिक्षा विभाग के परस्पर समन्वय से जनपद के नगरीय और सुदूर ग्रामीण अंचलों में स्थित बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों को आधुनिक मानकों के अनुरूप सज्जित किया गया है। कभी टाट-पट्टी पर बैठकर अध्ययन करने की विवशता को समाप्त करते हुए विद्यार्थियों को गरिमापूर्ण और अनुकूल शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराया गया है।'ऑपरेशन कायाकल्प' की मूल शक्ति अंतर-विभागीय समन्वय (कन्वर्जेंस) की सुविचारित कार्यप्रणाली में निहित है। पंचायती राज विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, नगर विकास विभाग और समग्र शिक्षा अभियान के संयुक्त संसाधनों को एकीकृत कर परिषदीय विद्यालयों को निर्धारित 19 अनिवार्य अवस्थापना मानकों से संतृप्त करने का वृहद अभियान संचालित किया गया। इस समेकित प्रयास के अंतर्गत ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों की विकास निधियों का प्रभावी उपयोग विद्यालयी ढांचे को सुदृढ़ करने में सुनिश्चित किया गया।

जनपद भदोही के विद्यालयों में अवस्थापना मानकों के संतृप्तीकरण के तहत प्रत्येक विद्यालय में बालक एवं बालिकाओं के लिए पृथक, क्रियाशील और टाइल्सयुक्त शौचालयों का निर्माण कराया गया है। विद्यालयों में निरंतर नल जल आपूर्ति (रनिंग वाटर) की व्यवस्था, सबमर्सिबल पंपों की स्थापना तथा विद्यार्थियों में स्वच्छता की आदतें विकसित करने के लिए विशेष मल्टीपल हैंडवाशिंग यूनिट्स स्थापित की गई हैं। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता शत-प्रतिशत परिसरों में सुनिश्चित की गई है।

विद्यालयों के भौतिक परिवेश को आकर्षक और सुरक्षित बनाने के लिए कक्षाओं के टाइल्स वाले फर्श का संपूर्ण टाइलीकरण, निर्बाध विद्युतीकरण, उच्च गुणवत्ता वाले पंखे तथा प्राकृतिक एवं कृत्रिम प्रकाश व्यवस्था का समुचित प्रबंध किया गया है। परिसर की सुरक्षा हेतु पक्की चारदीवारी और मुख्य द्वारों का निर्माण कराया गया है। इसके साथ ही, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांग विद्यार्थियों) के सुगम आवागमन हेतु बाधारहित वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से मानक के अनुरूप रैंप और रेलिंग का निर्माण कराया गया है। अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ भदोही में तकनीक-आधारित आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की सुदृढ़ नींव रखी गई है।

निरामय यौवन

हर मानव चाहता है कि उसका जीवन निरामय यौवन से भरपूर रहे । जर्जर कस्ती के सहारे तूफानों से लडने का इरादा जीवन में अन्त तक रहे । लडखडा रहे हैं कदम पर दूर तक चलने का वादा भितर में रहे । कैसे कोई जी सकता है निरोग, निरामय,आनन्द का जीवन ? जब जीवनशैली के प्रतिजागरूकता कम,उदासीनता ज्यादा है। जीवन का यही है संघर्ष मन के पिछे भागे तो होगा अजीब विरोधाभास ।आत्मा जागे तो होगा सही पुरूषार्थ।जीवन जीने का सही फार्मुला होगा हमारे पास। स्वस्थता ,संतुष्टि,कम खाना,गम खाना, नम जाना ,प्रातः भ्रमण,परोपकार,कषायविजय आदि गुणों का विकास हो हमारे अंदर । जिसे अपनाकर हम अपने जीवन को समुज्ज्वल बनाएं । सद्व्यवहार करने वाले के हृदय में उसका ही सव्यवहार उसे सुख,आनन्द एवं,पुष्प की शाश्वत सुगन्ध प्रदान करके उसके जीवन में यश एवं कीर्ति रूपी सुगन्ध को प्रत्येक दिशा में द्विगुणित कर देता है। अतः हम जैसे कर्म करते है हमें उसका वैसा ही फल मिलता है ।हमारे द्वारा किये गए कर्म ही हमारे पाप और पुण्य तय करते है। जर्जर कस्ती के सहारे तूफानों से लडने का इरादा है। लडखडा रहे हैं कदम पर दूर तक चलने का वादा है। आत्मा जागे तो होगा सही पुरूषार्थ। जीवन जीने का सही फार्मुला होगा हमारे पास। हम यदि सांसारिक दृष्टि से देखेंगे तो कहेंगे जीवन में पद,प्रतिष्ठा और पैसा जबकि यह सही में कुछ काम के नहीं हैं यदि तुष्टि , संतुष्टी और कोई अपना नहीं।खुशियाँ नहीं मिलती पैसों से मिलती हैं अपनों के अपनत्व से।जीवन है आनंद के लिए न कि तनाव लेकर दौड़-धूप करते-करते ही मरने के लिए। जिनमें उत्साह उमँग होता है जिनकी इच्छाशक्ति व संकल्पशक्ति मजबूत होती है ऐसे व्यक्तियों के सामने उम्र कोई बाधा नहीं होती है ।ऐसे व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे हुयें होते है जो असंभव को भी संभव बना देते है। यौवन है जीवन को हमारे द्वारा पूर्णतः उत्साह से भरा अनुभव करना। भीतर एक अलग ही प्रबल इच्छा शक्ति का लक्षण है यौवन । भितर में हरदम कुछ नया करने की कुलबुलाहट है यौवन ।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

वस्त्र रंगाई से ...

जसपाल सिंह

फास्ट फैशन की चमक और पर्यावरण की कीमत

आज फैशन केवल पहनावे की जरूरत नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारी जीवनशैली और सामाजिक पहचान का हिस्सा बन चुका है। सोशल मीडिया, ऑनलाइन शॉपिंग और लगातार बदलते ट्रेंड ने कपड़ों की खरीदारी को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। कम कीमत में नया डिजाइन मिल जाना आकर्षक जरूर है, लेकिन इस सुविधा की पर्यावरणीय कीमत लगातार बढ़ रही है।

फास्ट फैशन का सबसे बड़ा सवाल यही है कि जो कपड़ा हमें बहुत सस्ता दिखाई देता है, वह वास्तव में पर्यावरण के लिए कितना महंगा है?

इस सवाल का जवाब दुनिया भर में हुए कई वैज्ञानिक अध्ययनों में मिलता है।

शोध ने बताई फैशन उद्योग की वास्तविक कीमत

वर्ष 2020 में Nature Reviews Earth & Environment में प्रकाशित एक महत्वपूर्ण समीक्षा अध्ययन में किरसी नीनिमाकी और उनके सहयोगियों ने फैशन उद्योग के पर्यावरणीय प्रभावों का व्यापक अध्ययन किया। शोध में उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक कपड़ों की पूरी श्रृंखला में पानी की खपत, रासायनिक प्रदूषण, कार्बन उत्सर्जन और कपड़ा-कचरे का विश्लेषण किया गया। अध्ययन के अनुसार फैशन उद्योग हर वर्ष 92 मिलियन टन से अधिक कपड़ा-कचरा पैदा करता है और लगभग 79 ट्रिलियन लीटर पानी की खपत करता है। शोधकर्ताओं ने उत्पादन की गति कम करने, कपड़ों की उपयोग-अवधि बढ़ाने और टिकाऊ फैशन की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर जोर दिया।

यह आंकड़ा हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि एक नया कपड़ा खरीदते समय हम केवल उसकी कीमत नहीं चुका रहे होते, बल्कि उसके पीछे इस्तेमाल हुए पानी, ऊर्जा, कच्चे माल और परिवहन की पर्यावरणीय लागत भी कहीं न कहीं जुड़ी होती है।

जल प्रदूषण पर भी गंभीर असर

फास्ट फैशन की समस्या केवल कपड़ा-कचरे तक सीमित नहीं है। कपड़ों की रंगाई और फिनिशिंग में बड़ी मात्रा में पानी तथा विभिन्न रसायनों का इस्तेमाल होता है। यदि औद्योगिक अपशिष्ट जल का उचित उपचार नहीं किया जाए तो ये रसायन नदियों और अन्य जल स्रोतों तक पहुंच सकते हैं।

2022 में Water जर्नल में प्रकाशित एक systematic review में शोधकर्ताओं ने 1996 से 2021 के बीच प्रकाशित हजारों अध्ययनों की समीक्षा की और उनमें से 65 प्रासंगिक अध्ययनों का विस्तृत विश्लेषण किया। इस समीक्षा में फैशन और वस्त्र उद्योग को पानी की खपत, अपशिष्ट जल तथा जल-गुणवत्ता से जुड़ी महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौती के रूप में देखा गया। अध्ययन ने टिकाऊ उत्पादन, बेहतर अपशिष्ट जल उपचार और circular economy की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

वस्त्र रंगाई से संबंधित एक अन्य समीक्षा में भी बताया गया है कि पारंपरिक dyeing प्रक्रिया में रंग, नमक, surfactants और अन्य रसायन अपशिष्ट जल में पहुंच सकते हैं और जल-प्रदूषण की गंभीर समस्या पैदा कर सकते हैं।

कपड़े धोने से भी निकलता है माइक्रोप्लास्टिक

फास्ट फैशन का एक ऐसा प्रभाव है जिसे हम अपनी आंखों से नहीं देख पाते—माइक्रोफाइबर प्रदूषण।

पॉलिएस्टर, नायलॉन और ऐक्रेलिक जैसे सिंथेटिक कपड़े प्लास्टिक आधारित रेशों से बनाए जाते हैं। इन्हें पहनने और विशेष रूप से धोने के दौरान अत्यंत छोटे रेशे निकल सकते हैं और पानी के माध्यम से पर्यावरण में पहुंच सकते हैं। यूरोपीय पर्यावरण एजेंसी के अनुसार सिंथेटिक वस्त्रों की धुलाई माइक्रो-प्लास्टिक प्रदूषण का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। एजेंसी के आकलन के अनुसार दुनिया भर में हर वर्ष लगभग 2 लाख से 5 लाख टन तक textile microplastics समुद्री पर्यावरण में पहुंच सकते हैं।

यूरोपीय संघ के 2019 के आंकड़ों पर आधारित एक अन्य आकलन में सिंथेटिक वस्त्रों से पर्यावरण में 1.6 से 61.1 किलो टन माइक्रोप्लास्टिक के अनजाने में छोड़े जाने का अनुमान लगाया गया।

इसलिए यह समझना जरूरी है कि कपड़ा पर्यावरण को केवल तब प्रभावित नहीं करता जब वह फैक्ट्री में बन रहा होता है या कूड़ेदान में फेंका जाता है। उसके जीवनकाल के दौरान भी पर्यावरणीय प्रभाव जारी रह सकता है।

सबसे बड़ी समस्या है 'जल्दी खरीदो, जल्दी बदलो' की संस्कृति

फास्ट फैशन का कारोबार तेजी से बदलते ट्रेंड और लगातार खरीदारी पर आधारित है। आज जो डिजाइन लोकप्रिय है, कुछ ही सप्ताह बाद वह पुराना लग सकता है। ऑनलाइन सेल और कम कीमतें उपभोक्ताओं को बार-बार खरीदारी के लिए प्रेरित करती हैं।

यही कारण है कि कपड़ों का उपयोगकाल कम होता जा रहा है। अच्छी स्थिति में मौजूद कपड़े भी केवल इसलिए त्याग दिए जाते हैं क्योंकि उनका डिजाइन पुराना हो गया है।

इससे दोहरी समस्या पैदा होती है—एक ओर नए कपड़े बनाने के लिए पानी, ऊर्जा और कच्चे माल की मांग बढ़ती है और दूसरी ओर पुराने कपड़ों का कचरा बढ़ता जाता है।

इस प्रश्न का उत्तर इतना सरल नहीं है। कपड़ा कंपनियों की उत्पादन प्रणाली और पर्यावरणीय प्रबंधन की बड़ी भूमिका है, लेकिन उपभोक्ता की खरीदारी की आदत भी महत्वपूर्ण है।

यदि हम जरूरत से अधिक कपड़े खरीदते हैं, कम समय तक इस्तेमाल करते हैं और फिर उन्हें फेंक देते हैं तो बाजार में लगातार नए उत्पादन की मांग पैदा होती है।

इसलिए समाधान केवल उद्योग में बदलाव से नहीं आएगा। उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव भी उतना ही आवश्यक है।

फास्ट फैशन पर अधिकांश चर्चाएं वैश्विक आंकड़ों के आधार पर होती हैं, लेकिन भारत के शहरों में स्थानीय स्तर पर भी इस विषय पर अध्ययन की काफी संभावनाएं हैं।

बरेली, मेरठ जैसे शहरों में कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सर्वेक्षण के माध्यम से यह पता लगा सकते हैं कि एक परिवार वर्ष में कितने कपड़े खरीदता है, पुराने कपड़ों का क्या करता है, कितने कपड़े वास्तव में नियमित रूप से पहने जाते हैं और खरीदारी में कीमत, ब्रांड, सोशल मीडिया तथा फैशन ट्रेंड की क्या भूमिका है।

ऐसे स्थानीय अध्ययन से यह भी पता लगाया जा सकता है कि सूती और सिंथेटिक कपड़ों का उपयोग किस अनुपात में हो रहा है तथा पुराने कपड़ों के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण की स्थिति क्या है।

किशोरियों के माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को सुदृढ़ करने के लिए राज्य स्तरीय समिति की बैठक हुई सम्पन्न

सरकारी विद्यालयों की छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन

निर्णय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। किशोरियों के माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा विभिन्न विभागों के मध्य प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित राज्य स्तरीय माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति की बैठक आज एनेक्सी भवन, लखनऊ में अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री अमित कुमार घोष की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं महानिदेशक, परिवार कल्याण सहित बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज,सूचना विभाग,नगर विकास, नमामि गंगे, श्रम, अल्पसंख्यक कल्याण, समाज कल्याण एवं चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग तथा न्यूट्रिशन इंटरनेशनल के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। माहवारी प्रारंभ होने से पूर्व किशोरियों को आवश्यक जानकारी एवं तैयारी उपलब्ध कराने के लिए व्यापक जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। प्रदेश में माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित योजनाओं और पहलों को समग्र, समन्वित एवं संस्थागत स्वरूप देने के लिए राज्य माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता नीति विकसित करने पर कार्य किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री अमित कुमार घोष ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी एवं समयबद्ध निर्वहन सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्यालयों में स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने तथा किशोरियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित योजनाओं और गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी विभाग समन्वित प्रयास करें, ताकि किशोरियों को आवश्यक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सुविधाएं समयबद्ध रूप से उपलब्ध हो सकें।

> सुरक्षित एवं स्वच्छ माहवारी व्यवहार को बढ़ावा देने तथा मिथकों, भ्रांतियों और सामाजिक झिझक को दूर करने के लिए डिजिटल, सामाजिक एवं अन्य संचार माध्यमों का प्रभावी उपयोग किया जाएगा।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय

कक्षा 6 से 12 तक सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत सभी छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराए जाएंगे। सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों की छात्राओं तथा विद्यालय न जाने वाली या विद्यालय छोड़ चुकी किशोरियों तक भी निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था विकसित की जाएगी। माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सेवाओं का लाभ प्रत्येक किशोरी तक पहुंचाया जाएगा, जिसमें विद्यालय से बाहर रहने वाली किशोरियों और वंचित समूहों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विद्यालयों में माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबंधन तथा किशोरावस्था संबंधी शिक्षा एवं जागरूकता सत्रों को नियमित शैक्षिक गतिविधियों का अभिन्न हिस्सा बनाया जाएगा।

सरकारी विद्यालयों की छात्राओं को मिलेगी निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन

योगी सरकार स्कूलों में नियमित रूप से चलाएगी जागरूकता सत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में कक्षा छह से 12 तक पढ़ने वाली सभी छात्राओं को अब निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराए जाएंगे। योगी सरकार इसका दायरा केवल सरकारी विद्यालयों तक सीमित नहीं रखेगी। सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं के साथ स्कूल छोड़ चुकी और स्कूल नहीं जाने वाली किशोरियों तक निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन पहुंचाने की व्यवस्था तैयार की जाएगी।

इसके साथ ही प्रदेश में पहली बार माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं को एकीकृत करते हुए राज्य स्तरीय नीति विकसित करने की दिशा में काम किया जाएगा। किशोरियों के माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी सेवाओं को और प्रभावी बनाने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल के लिए गठित राज्य स्तरीय माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति की एनेक्सी भवन में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अमित कुमार घोष की अध्यक्षता में हुई बैठक में किशोरियों तक स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने पर मंथन किया गया।

> सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों की छात्राओं के साथ स्कूल छोड़ चुकी और स्कूल नहीं जाने वाली किशोरियों को भी मिलेगा लाभ

फास्ट न्यूज

वेटनरी फार्मासिस्ट चुनाव संपन्न

लखनऊ। लखनऊ में वेटनरी फार्मासिस्ट संघ, उत्तर प्रदेश की लखनऊ शाखा का जिला स्तरीय चुनाव 19 सितंबर को संपन्न हुआ। चुनाव में राजकीय पशु चिकित्सालय, मलिहाबाद में तैनात वेटनरी फार्मासिस्ट बृजेश कुमार को जिला महामंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी प्रमाण-पत्र में बृजेश कुमार के निर्विरोध निर्वाचन की पुष्टि की गई है।

लखनऊ में रोडवेज एसी बस में लगी भीषण आग

दुबग्गा । लखनऊ में शुक्रवार देर रात रोडवेज की AC बस में आग लग गई। हरदोई-कानपुर रिंग रोड पर उत्कर्ष लॉन के सामने बस फ्लाईओवर के डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद बस में आग लग गई। कुछ ही देर में बस धू-धूकर जलने लगी।

सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत की बात रही कि बस के अंदर कोई यात्री या अन्य व्यक्ति नहीं मिला। फायर विभाग के मुताबिक, रात करीब 12:30 बजे चौक फायर स्टेशन को भापतामऊ के पास बस में आग लगने की सूचना मिली थी।

लखनऊ में राष्ट्रीय कर्मचारी रैली घोषणा

लखनऊ। लखनऊ में 19 सितंबर को अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर 12 दिसंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में राष्ट्रीय कर्मचारी रैली आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि रैली की तैयारियों के लिए अक्टूबर-नवंबर में देशभर में जनसंपर्क, जागरूकता और कर्मचारी संपर्क अभियान चलाया जाएगा।

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की मूलभूत साक्षरता परीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

- प्रदेश के 5.10 लाख से अधिक 15+ आयु वर्ग के असाक्षर परीक्षा में होंगे शामिल
- मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक एवं बीएसए करेंगे परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

लखनऊ । भारत सरकार की केन्द्र पुरोनिधानित योजना 'उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम' के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम मूलभूत साक्षरता परीक्षा का आयोजन प्रदेश के समस्त जनपदों में 20 सितम्बर, 2026 को किया जाएगा। परीक्षा में 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के लगभग 5.10 लाख असाक्षर प्रतिभाग करेंगे। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बताया कि उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के असाक्षरों को मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान प्रदान कर उन्हें साक्षर बनाना है। कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं की 75 प्रतिशत तथा पुरुषों की 25 प्रतिशत भागीदारी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बेसिक शिक्षा निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रदेश में 15+ आयु वर्ग के कुल 10.00 लाख असाक्षरों को साक्षर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। भारत सरकार के निर्देशानुसार इस वित्तीय वर्ष में दो चरणों में, क्रमशः सितम्बर एवं मार्च माह में मूलभूत साक्षरता परीक्षा आयोजित की जानी है। इसी क्रम में प्रथम चरण की परीक्षा 20 सितम्बर को आयोजित होगी।

उल्लास पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के विभिन्न जनपदों में लगभग 5.10 लाख 15+ आयु वर्ग के असाक्षरों को इस परीक्षा में प्रतिभाग कराया जाएगा।

'अपनी माटी, अपना गांव'-मातृभूमि योजना से गांवों के विकास में जनभागीदारी को नई उड़ान

मातृभूमि के विकास में भागीदारी का सशक्त माध्यम बनी 'उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना' संचालित की जा रही है। योजना के माध्यम से देश-विदेश में निवास कर रहे ऐसे व्यक्तियों एवं संस्थाओं को अपनी मातृभूमि एवं गांव के विकास से जुड़ने का अवसर प्रदान किया जा रहा है, जो अपने गांव में जनोपयोगी एवं विकासपरक कार्य कराने के इच्छुक हैं।

पंचायती राज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि 'उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना' अपनी माटी, अपने गांव और अपनी जड़ों से जुड़े लोगों को ग्रामीण विकास की प्रक्रिया से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि देश-विदेश में रहने वाले ऐसे व्यक्ति एवं संस्थाएं, जिनका अपने गांव से भावनात्मक एवं सामाजिक जुड़ाव है, योजना के माध्यम से अपने गांव के विकास में प्रत्यक्ष भागीदारी कर सकते हैं। जनसहभागिता से गांवों में आवश्यक जनोपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण होने के साथ ही ग्रामीणों में अपने गांव के प्रति अपनत्व, जिम्मेदारी और सामुदायिक स्वामित्व की भावना भी मजबूत होगी। उन्होंने सभी इच्छुक व्यक्तियों एवं संस्थाओं से अपनी मातृभूमि के विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। योजनान्तर्गत कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था प्रदेश के किसी भी जनपद के किसी गांव में विकास कार्य कराने के लिए सहभागी बन सकती है। इच्छुक दानकर्ता द्वारा परियोजना की कुल लागत का 60 प्रतिशत अंशदान किया जाता है, जबकि शेष 40 प्रतिशत लागत राज्य सरकार द्वारा वहन की जाती है। इस व्यवस्था के माध्यम से सरकार और समाज की सहभागिता से गांवों में विभिन्न प्रकार के जनोपयोगी विकास कार्यों को गति प्रदान की जा रही है।

> मातृभूमि योजना में दानकर्ता की सहभागिता को विशेष सम्मान भी प्रदान किया जाता है। शासनादेश के अन्तर्गत दानकर्ता के प्रस्ताव के अनुरूप निर्मित परियोजना पर शिलापट्ट लगाए जाने की व्यवस्था की गई है। इससे दानकर्ता की विकास कार्य में सहभागिता को स्थायी रूप से सम्मानित करने के साथ-साथ अन्य लोगों को भी अपने गांव के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

देश-विदेश में बसे लोगों को अपनी मातृभूमि के विकास से जोड़ रही 'उत्तर प्रदेश मातृभूमि योजना' अपनी जड़ों से जुड़कर गांवों के विकास में सहभागी बनें-मातृभूमि योजना दे रही जनभागीदारी को नया आयाम

समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता को भी प्रोत्साहन मिल रहा

पंचायती राज निदेशक श्री अमित कुमार सिंह ने कहा कि योजना का उद्देश्य गांव से जुड़े व्यक्तियों एवं संस्थाओं को स्थानीय विकास में सक्रिय भागीदारी का अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि मातृभूमि योजना जनसहभागिता को ग्रामीण विकास से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है, जिसके अंतर्गत दानदाताओं की इच्छानुसार जनोपयोगी परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। इससे गांवों में आवश्यक सुविधाओं के विकास को गति मिलने के साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से अधिकाधिक लोगों को इससे जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस ने 12.750 किलो गांजा, 3 फोन बरामद किए, गोंडा से लाते थे खेप

सफारी से गांजा सप्लाई कर रहे 2 तस्कर गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज (लखनऊ)। लग्जरी सफारी में गांजे की बड़ी खेप लेकर लखनऊ में सप्लाई करने निकले दो युवकों को नगराम पुलिस ने चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सफारी की तलाशी ली तो बोरी में 12.750 किलो गांजा मिला। पुलिस के मुताबिक बरामद गांजे की कीमत करीब 7 लाख रुपए है। आरोपियों के पास से तीन मोबाइल फोन, पीली धातु की चेन और 3,100 रुपए भी मिले। वाहन समेत कुल बरामदगी की कीमत करीब 30 लाख रुपए बताई गई है।

डीसीपी साउथ मो. मुश्ताक ने बताया कि,17 सितंबर को नगराम-गंगागंज मार्ग पर शिवपुरा मोड़ के पास चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान काले रंग की टाटा सफारी संख्या UP32EL8000 को रोककर तलाशी ली गई। गाड़ी में सवार युवकों की पहचान सचिन सिंह (32) निवासी करूआ देवरा, बाराबंकी, हाल पता रामबक्शखेड़ा, गोसाईगंज और सत्यम सिंह (20) निवासी तमोरिया, नगराम के रूप में हुई। ये लोग गोंडा से गांजा लाकर यहां बेचते थे। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में सचिन ने बताया कि गांजा तस्करी से मिले पैसों से उसने मोबाइल फोन, पीली धातु की चेन और सफारी गाड़ी खरीदी थी। पुलिस अब गैंग के अन्य सदस्यों और गांजे की सप्लाई के नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

लखनऊ और आसपास के जिलों में सप्लाई

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका गैंग लखनऊ और आसपास के जिलों में गांजे की सप्लाई करता है। पुलिस के अनुसार, गांजे की खेप गोंडा के जरवल और आसपास के इलाकों से गैंग के दूसरे सदस्यों के जरिए उपलब्ध कराई जाती थी। इसके बाद 10 से 15 किलो गांजा सफारी में छिपाकर लखनऊ लाया जाता था। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि लखनऊ पहुंचने के बाद गांजे को करीब दो-दो किलो की खेप में अलग-अलग सदस्यों को दिया जाता था। इसके बाद छोटी पुड़िया बनाकर आसपास के इलाकों में बिक्री की जाती थी।

बिल्लियों को बोरे में भरकर फेंका लंगूर को खंभे से बांधा

एनजीओ ने किया रेस्क्यू, मुकदमा दर्ज करने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में शुक्रवार को महानगर स्थित शालीमार गैलेंट में पशु क्रूरता और वन्यजीव को बंधक बनाए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि परिसर में कुछ बिल्लियों को बोरों में भरकर बाहर फेंकने की तैयारी की जा रही थी, जबकि एक लंगूर को रस्सी से बांधकर रखा गया था।

सूचना मिलने पर पशु संरक्षण संस्था 'आसरा-द हेल्पिंग हैंड्स ट्रस्ट' (AASRA) की टीम ने वन विभाग और डायल-112 पुलिस की मदद से मौके पर पहुंचकर बिल्लियों और लंगूर को रेस्क्यू कराया।

संस्था की संचालक चारु खरे की ओर से महानगर थाने में लिखित शिकायत देकर मामले में कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के मुताबिक, बिल्लियों को जान से मारकर बाहर फेंकने के उद्देश्य से बोरों में बंद किया गया था। सूचना मिलने के बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर बोरों में बंद बिल्लियों को बाहर निकाला। साथ ही परिसर में रस्सी से बंधे लंगूर को भी मुक्त कराया गया। संस्था ने शिकायत में आरोप लगाया है कि परिसर में लंगूर को शाहरुख नाम के व्यक्ति ने बंधक बनाकर रखा था। संस्था ने शालीमार गैलेंट के प्रेसिडेंट विकास टंडन और सेक्रेटरी सुमित गुप्ता की भूमिका की भी जांच की मांग की है। संस्था का कहना है कि इतने बड़े रिहायशी परिसर में वन्यजीव को किसकी जानकारी या अनुमति से रखा गया, इसकी जांच होनी चाहिए। AASRA ने पुलिस से शालीमार गैलेंट परिसर में लगे CCTV कैमरों की फुटेज तत्काल सुरक्षित कर कब्जे में लेने की मांग की है। संस्था का कहना है कि फुटेज मामले में महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य साबित हो सकती है और समय बीतने पर इसके ओवरराइट होने की आशंका है।

लखनऊ डीएम से तहसीलदार और लेखपालों की शिकायत

आरोप- ब्लॉक के अधिकारी लापरवाह, कई गांवों में सुलभ शौचालय नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ की सरोजनीनगर तहसील में शनिवार को समाधान दिवस पर तहसीलदार और लेखपालों की शिकायत कर दी गई। जिलाधिकारी विशाख जी. अय्यर तहसील में पहुंचे हुए थे। वकीलों ने उनसे कहा कि तहसीलदार उनसे और आम लोगों से गलत भाषा बोलते हैं। इसके अलावा कई लेखपाल अपने घर से दफ्तर चला रहे हैं। वो तहसील नहीं आते। इसके अलावा डीएम के सामने भाजपा के लखनऊ जिला मंत्री संजीव कुमार मिश्रा कई महिलाओं के साथ पहुंच गए। उन्होंने शिकायत की कि सरोजनीनगर ब्लॉक के अधिकारी लापरवाह हैं। अधिकारियों की वजह से ही कई गांवों में आज तक सुलभ शौचालय नहीं बने। महिलाएं खुले में शौच जाती हैं। गांवों में पानी की सप्लाई और गोशालाओं में चारा की कमी है।

तहसील परिसर में नए बने कोर्ट के लिए कम से कम दो और कमरे बनाने की मांग की गई। परिसर के सामने नाला बनाने और केस लड़ने वालों के बैठने के लिए बेंच लगाने की भी मांग हुई। वकीलों ने खराब वाटर कूलर और सोलर लाइटों को ठीक कराने की मांग रखी।

वकील बोले- तहसीलदार का ट्रांसफर किया जाए

बार एसोसिएशन अध्यक्ष कमलेश प्रताप सिंह और महामंत्री राजेंद्र यादव की अगुवाई में वकील तहसील दिवस में पहुंचे। उन्होंने कहा कि तहसीलदार फोन नहीं उठाते हैं। गलत भाषा बोलते हैं। उनका ट्रांसफर कर दिया जाए। कई लेखपाल अपने घर से दफ्तर चला रहे हैं। अवैध वसूली के लिए अपना सहायक भी रखे हुए हैं। 1 साल से तैनात ऐसे सभी लेखपालों को हटाया जाए। जिलाधिकारी ने तहसीलदार और लेखपालों पर लगे आरोपों की जांच कराने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

मॉर्निंग वॉक पर निकले छात्र को डंपर ने रौंदा, मौत

मलिहाबाद, लखनऊ। लखनऊ में मॉर्निंग वॉक पर निकले 11वीं के छात्र आरिफ (20) को एक अज्ञात डंपर ने रौंद दिया। हादसे में छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस डंपर की तलाश कर रही है। यह घटना शनिवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे लखनऊ-हरदोई राजमार्ग पर मुजासा सुपर नर्सरी के पास हुई। आरिफ अपने घर बड़ी गढ़ी, मलिहाबाद लौट रहा था, तभी हरदोई की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से आरिफ का मोबाइल फोन बरामद किया और उसकी पहचान कर परिजनों को सूचना दी। आरिफ सफा पब्लिक स्कूल मलिहाबाद में 11वीं का छात्र था और नीट की तैयारी भी कर रहा था। वह स्कूल के बाद अपने पिता हनीफ के साथ खेती में भी मदद करता था।

तबादला: प्रेग्नेंट चारु निगम को पीएसी गाजियाबाद भेजा गया, चारु निगम इस समय प्रेग्नेंट

यूपी में 35 आईपीएस अफसरों के ट्रांसफर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार ने 35 IPS अफसरों के ट्रांसफर कर दिए। शाम 6 बजे लिस्ट जारी कर दी गई। इनमें से अधिकतर ऐसे अफसर हैं, जो तीन साल से अधिक समय से एक ही जगह पर तैनात रहे हैं।

यूपी 112 की SP चारू निगम का एक महीने के भीतर दूसरी बार ट्रांसफर हुआ है। उन्हें गाजियाबाद 47वीं वाहिनी पीएसी का सेनानायक बनाया गया है। पहले भी IPS चारू इस कंपनी में सेनानायक रह चुकी हैं। चारू निगम इस समय प्रेग्नेंट हैं। यूपी 112 में तैनाती से पहले सुल्तानपुर SP थीं। जब उन्हें वहां से हटाया गया तो X पोस्ट के जरिए दर्द बयां किया था। उन्होंने लिखा,

सुल्तानपुर से विदाई लेते हुए मैं यह बात साफ करना चाहती हूं कि मां बनना कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक ताकत है। प्रेग्नेंसी के बावजूद सुल्तानपुर में बिताए अपने 197 दिनों के कार्यकाल के दौरान मैं जिले की जिम्मेदारी पूरी क्षमता के साथ संभालने में सक्षम थी। 2013 बैच की IPS चारू निगम का तबादला 20 अगस्त को यूपी 112 में किया गया था। सुल्तानपुर में उनके 6 महीने के कार्यकाल के दौरान बड़े पैमाने पर हुई पुलिसकर्मियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग और भाजपा एमएलसी देवेंद्र सिंह के साथ विवाद काफी सुर्खियों में रहा था।

श्रुति श्रीवास्तवः अपर पुलिस उपायुक्त (ADCP) वाराणसी रहीं श्रुति श्रीवास्तव को प्रयागराज का ADCP बनाया गया है।

प्रयागराज कुंभ के दौरान श्रुति ने काशी आने पर अभिनेत्री रवीना टंडन का इंटरव्यू किया था।

विक्रम दहियाः ASP पीलीभीत से ASP चंदौली बनाए गए हैं। हरियाणा में करनाल के रहने वाले विक्रम दहिया ने एनआईटी भोपाल से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बीटेक किया और इसके बाद आईआईएम रोहतक से एमबीए की डिग्री हासिल की। 'लावा इंटरनेशनल' कंपनी में करीब 37 लाख के सालाना पैकेज पर रीजनल/जोनल सेल्स मैनेजर के रूप में भी काम किया था।

लड़ाकू विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए

प्रदर्शन

आसमान में तिरंगा बनाया, हवा में गोते लगाए, मेरठ में आईएएफ का एयर शो

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में आज पहली बार एयरफोर्स का एयर शो हुआ। इसमें लड़ाकू विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। 9 हॉक MK-132 विमानों की गड़गड़ाहट से आसमान गूंज उठा। जमीन से महज 200 फीट की ऊंचाई पर विमानों ने धुएं से लकीरें खींचकर तिरंगा बनाया। हवा में गुलाटियां मारीं।

लड़ाकू विमान एक-दूसरे से 5 मीटर से भी कम दूरी पर एक साथ उड़े। हवा में कभी सीधे तो कभी पलटियां खाते हुए नीचे आए। करीब 30 मिनट तक हजारों लोग गर्दन ऊपर करके विमानों के स्टंट देखते रहे। तालियां और सीटियां बजाते रहे। जैसे विमान उनके ऊपर आकाश में पहुंचता लोग अपनी जगह पर उछल पड़ते। 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' के नारे लगाते। एयर शो वायुसेना की सूर्य किरण एयरोबैटिक टीम के धुरंधर पायलटों ने किया। 2 दिन चलने वाला एयर शो शनिवार सुबह 10:30 बजे न्यू इंटीग्रेटेड टाउनशिप में शुरू हुआ। 9 लड़ाकू विमानों ने गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस से उड़ान भरी। कल आखिरी दिन एयरशो में भारी संख्या में दर्शकों के उमड़ने की उम्मीद है। खास बात यह है कि सूर्यकिरण टीम में मेरठ के तीन पायलट हैं। इनमें से स्क्वाड्रन लीडर अमन गोयल और स्क्वाड्रन लीडर राहुल सिंह ने विमान उड़ाया, जबकि स्क्वाड्रन लीडर शरद गोयल ने जमीन (ग्राउंड) से शो का मैनेजमेंट संभाला। एयर शो देखने के लिए 10 से अधिक स्कूलों के छात्र, एनसीसी (NCC) और एनएसएस (NSS) कैडेट्स समेत करीब 10 हजार लोग मौजूद रहे।

मेरठ में एयरशो के दौरान 'सूर्यकिरण एयरोबैटिक टीम' ने 9 हॉक MK-132 विमानों के साथ हैरतअंगेज करतब दिखाए।

मेरठ डीएम बोले- पूरे शहर के लिए गर्व का पल, कल संख्या और अधिक रहेगी

मेरठ में जिला अधिकारी डॉ. वीके सिंह ने कहा कि पहली बार इस शो का आयोजन हुआ है, जिसमें मेरठ ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों से भी लोग पहुंचे है। कल यह संख्या और भी अधिक रहने की संभावना है।

साल 1996 में सूर्य किरण की स्थापना हुई थी। सूर्य किरण वायुसेना की 52वें स्क्वाड्रन का हिस्सा है। ये टीम इंडियन एयरफोर्स की एयरोबैटिक्स प्रदर्शन टीम है। इस टीम में 13 पायलट होते हैं। इसमें से केवल 9 एक साथ उड़ान भरते हैं। केवल लड़ाकू विमान उड़ाने वाले पायलटों को इसके लिए चुना जाता है।

स्क्वाड्रन लीडर अमन गोयल के परिवार से बातचीत

मेरठ के स्क्वाड्रन लीडर अमन गोयल सूर्यकिरण टीम का हिस्सा हैं। हवाई प्रदर्शन को देखने के लिए उनकी फैमिली भी यहां पहुंची। उनकी वाइफ, माता-पिता और भाई-बहन सभी मौजूद रहे। परिवार का कहना है कि आज का दिन उनके लिए बेहद खास है। अमन को आसमान में प्रदर्शन करते देखने की खुशी के साथ उन्हें इस बात का भी गर्व है कि उनकी मेहनत आज इस मुकाम तक पहुंची है। परिवार में सभी बेहद खुश हैं।

कानपुर में कब्रिस्तान पर चला केडीए का बुलडोजर

3 हजार वर्गमीटर सरकारी जमीन कब्जामुक्त

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में केडीए की टीम ने शनिवार सुबह अतिक्रमण कर बनाए गए कब्रिस्तान के हिस्से पर बुलडोजर चला दिया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने विरोध और हंगामा किया। हालांकि, भारी पुलिस फोर्स और पीएसी की मौजूदगी में अतिक्रमण अभियान तेजी से चलाया गया। यह कार्रवाई बर्रा-6 थाना क्षेत्र में हुई।

केडीए की टीम ने कब्रिस्तान की बाउंड्री और कब्रों के ऊपर बने चबूतरों को ढहा दिया। हालांकि, किसी भी कब्र को नुकसान नहीं पहुंचाया गया। केडीए अफसरों के मुताबिक, कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद कार्रवाई की गई। इसके चलते विरोध के बावजूद अभियान नहीं रुका।

केडीए के ओएसडी सत शुक्ला ने बताया- बर्रा-6 में पाल टावर के सामने ग्राम बरी की आराजी संख्या-314 से जुड़ी करीब 3 हजार वर्गमीटर सरकारी जमीन पर कब्जा कर कब्रिस्तान बना दिया गया था। करीब 30 से 35 साल से इस जमीन पर कब्जा था।

कब्रिस्तान के ठीक ऊपर से मेट्रो लाइन का निर्माण शुरू हुआ तो मामला केडीए तक पहुंचा। इसके बाद केडीए अफसरों ने जमीन की जांच-पड़ताल की। जांच में सामने आया कि केडीए की जमीन पर अवैध कब्जा करके कब्रिस्तान बनाया गया था। केडीए के अफसरों की टीम शनिवार सुबह पीएसी और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची।

फास्ट न्यूज

चंद्रशेखर जयंती पर सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा

गाजीपुर। गाजीपुर में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा हुई। शनिवार दोपहर 12 बजे बंधवा के एक पैलेस में यह सभा आयोजित की गई। इसमें अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने राजनीतिक विचारधाराओं से ऊपर उठकर चंद्रशेखर को श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों को अपनाने का संदेश दिया।

जूते में छिपाकर ले गए थे महाराष्ट्र टीईटी के पेपर

आगरा। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) का पेपर यूपी में आगरा की प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुआ था। ठाणे पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने पेपर को जूते के सोल में छिपाकर प्रिंटिंग प्रेस से बाहर निकाला था। इसके लिए आरोपियों को 8 हजार दिए गए थे। साथ ही, उन्हें आगरा में जमीन (प्लॉट) देने का वादा भी किया गया था। ठाणे पुलिस ने शुक्रवार को भिवंडी की स्थानीय कोर्ट में 3,500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। इसमें मास्टरमाइंड बिजेंद्र गुप्ता, प्रिंटिंग प्रेस के 3 कर्मचारियों कर्मचारी नरेश कुमार उर्फ निक्की, बाबूलाल कुशवाहा और संजय शर्मा समेत 18 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

आगरा में ढाबे पर विवाद के बाद ताबड़तोड़ फायरिंग

आगरा । आगरा के न्यू आगरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात ढाबे पर मामूली विवाद के बाद फायरिंग से दहशत फैल गई। दयालबाग रोड स्थित ढाबे पर खाना खाने आए चार युवकों में विवाद हो गया। आरोप है कि इसी दौरान एक युवक ने पिस्टल निकालकर कई राउंड फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि उसने पूरी मैगजीन खाली कर दी।

बाबा रामदेव मिलावटी सामान के सम्राट : बृजभूषण सिंह

मानहानि मुकदमे पर कहा- जो होगा देखेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

बहराइच। बहराइच में पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह ने शनिवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम नगर के पानी टंकी इलाके में स्थित गोनार्ड लान में हुआ। इस दौरान उन्होंने मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए बृजभूषण सिंह ने बाबा रामदेव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बात सिर्फ उनकी नहीं है, बल्कि वे सभी मिलावटी और नकली सामान बनाने वालों का विरोध करते हैं। उन्होंने बाबा रामदेव को मिलावटी सामान बनाने के मामले में सभी का सम्राट बताया। प्रतिभा सम्मान समारोह में छात्राओं को किया गया सम्मानित।

प्रतिभा सम्मान समारोह में छात्राओं को किया गया सम्मानित।

बृजभूषण सिंह ने यह भी कहा कि बाबा रामदेव ने उनके ऊपर मानहानि का केस किया है, जिस पर जो होगा वो देखेंगे। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ पतंजलि घी का सवाल नहीं है। गांव-गांव में नकली पनीर और अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानें हर चौराहे पर खुली हुई हैं। उन्होंने बताया कि बोरे में कोई सामान रखकर 10 क्विंटल का ऑर्डर देने पर 10 क्विंटल पनीर मिल जाता है। उन्होंने कहा कि आज नकली खाद्य पदार्थ एक बड़ी समस्या बन गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पतंजलि के कई ब्रांड देश-विदेश में फेल हो चुके हैं।

2 किमी से दिखा धुएं का गुबार, जान बचाकर बाहर भागे स्टाफकर्मी

कानपुर में मैक्स शोरूम में लगी भीषण आग

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में शुक्रवार शाम कपड़े के मैक्स शोरूम में आग लग गई। घटना कल्याणपुर के केशवपुरम इलाके में 7 बजकर 15 मिनट पर हुई। आग ने शोरूम के बड़े हिस्से को अपने चपेट में ले लिया। यहां काम करने वाले स्टाफ और ग्राहकों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। आग से बने धुएं का गुबार 2 किमी दूर से दिख रहा था।

3 मंजिला बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर जेप्टो का ऑफिस है। बेसमेंट में उसका गोदाम बना हुआ है। पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल पर कपड़ों का मैक्स शोरूम है। शोरूम के बगल में सनब्रीड होटल है। आग जेप्टो के गोदाम में लगी थी। देखते ही देखते आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया था। इससे मैक्स शोरूम के 4 कर्मचारी और होटल में ठहरे 5 यात्री बिल्डिंग के अंदर फंस गए।

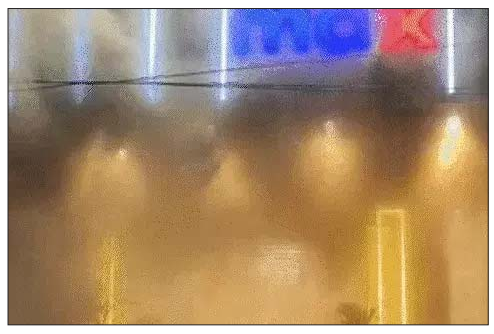

आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फायरकर्मी तुरंत आग बुझाने में जुट गए। इसके बाद अंदर फंसे सभी 9 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया गया। आग की जानकारी मिलते ही एक महिला भी मौके पर पहुंची। उसका बेटा होटल में अपने दोस्त के साथ रुका था। वह बेटे को बचाने के लिए रोने लगी। कुछ देर बाद जब बेटा सुरक्षित बाहर निकला तो महिला ने उसे गले लगा लिया। करीब 2.5 घंटे में फायरकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। शोरूम में लगी आग के बाद बाहर निकले एक कर्मचारी की

होटल में बेटा फंसा होने की खबर मिलते ही महिला फूट-फूटकर रोने लगी। वहां मौजूद लोगों ने उसे समझाने और शांत कराने की कोशिश की।

सीएफओ बोले- इलेक्ट्रिकल पैनल में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

आग लगने से पूरी बिल्डिंग में घना काला धुआं भर गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने बीए सेट पहनकर फ्लोर-वाइज रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। टीम ने बिल्डिंग में फंसे 9 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

> सीमा भारद्वाज ने बताया- मेरा बेटा और उसके दोस्त होटल में फंसे थे। मेरा बेटा काम नहीं करता है। उसका दोस्त नोएडा से आया था। उसके बच्चे का जन्म होने वाला था, इसलिए मेरा बेटा दोस्तों के साथ पार्टी मनाने होटल गया था।

तबीयत को देखते हुए डॉक्टरों की टीम ने मौके पर उसका चेकअप किया।

सपा सांसद की गाड़ी पर पथराव, शीशे तोड़े

संतकबीर नगर में गणेश विसर्जन के दौरान बवाल, डीजे थाने ले जाने पर भड़के लोग

तमसा संकेत, एजेंसी

संतकबीर नगर । संतकबीरनगर में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान सपा सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद की गाड़ी में भीड़ ने तोड़फोड़ कर दी। भीड़ ने गाड़ी को घेर लिया और उसका शीशा तोड़ दिया। पुलिस सांसद को भीड़ से बचाकर सुरक्षित बाहर ले गई। घटना शुक्रवार रात करीब 11 बजे की है।

विसर्जन यात्रा अमरडोभा चौराहे पर पहुंची थी। इसी दौरान पुलिस डीजे को थाने ले जाने लगी। इससे नाराज लोग सड़क पर बैठकर विरोध करने लगे। तभी सांसद की गाड़ी वहां से गुजर रही थी। गुस्साई भीड़ ने उनकी गाड़ी को घेर लिया और तोड़फोड़ कर दी।

घटना के बाद इलाके में भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह और अपर जिलाधिकारी मौके पर

पहुंचे और लोगों को समझाया। घटना बखिरा थाना क्षेत्र की है। सांसद ने कहा- मेरी तीनों गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई और पत्थर चलाए गए। उपद्रवी सत्ता से संरक्षित हैं। पार्टी का झंडा देखकर और छोटी जाति का होने के कारण हमला किया। बड़े लोगों से यह सहन नहीं हो रहा कि छोटी जाति का आदमी सांसद कैसे बन गया। मेरे ऊपर जानलेवा हमला हुआ। सांसद की गाड़ी पर हमले के बाद उसमें सवार लोग भी नाराज हो गए। उन्होंने सड़क पर बैठकर पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति

विसर्जन जुलूस के साथ चल रहा था डीजे

स्थानीय लोगों के मुताबिक, बखिरा कस्बे से गणेश प्रतिमा विसर्जन का जुलूस निकला था। जुलूस अमरडोभा होते हुए ढोढया नहर की ओर जा रहा था। तभी मेंहदावल के सीओ सर्वदमन सिंह मौके पर पहुंचे।

आरोप है कि सीओ ने जुलूस के साथ चल रहे डीजे वाहन की फोटो खींची। उसे बखिरा थाने ले जाने की बात कही। इससे जुलूस में शामिल लोग नाराज हो गए। सड़क पर बैठकर विरोध करने लगे। इसी दौरान भीड़ ने सांसद की गाड़ी पर हमला कर दिया।

को नियंत्रित किया।

सांसद ने कहा- मैं बाढ़ पीड़ितों और अन्य लोगों से मिलकर लौट रहा था। चौराहे पर जाम में खड़ा था। तभी 'पप्पू निषाद मुर्दाबाद' के नारे लगने लगे। पार्टी का झंडा देखकर लोगों ने गाड़ी पर ईंट-पत्थर चलाने शुरू कर दिए। मैं गाड़ी से निकलकर जान

सांसद ने कहा- मेरे ऊपर जानलेवा हमला हुआ है।

बचाने बाजार की तरफ भागा। पुलिस ने गाड़ियां तोड़ते देखा तो लाठीचार्ज किया। किसी तरह थाने पहुंचा और वहां से घर चला आया।

यूपी में विधायक पूजा पाल से 1.55 लाख की ठगी

बोलीं- पर्सनल डेटा लीक होने का भी खतरा

तमसा संकेत, एजेंसी

कौशांबी। कौशांबी की चायल सीट से विधायक और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पूजा पाल के बैंक खाते से करीब 1.55 लाख रुपए निकाल लिए गए। 22 अगस्त से 13 सितंबर के बीच कई बार रकम निकाली गई। ये लेनदेन फोन-पे और UPI के जरिए किए गए। 14 सितंबर को विधायक को इसकी जानकारी हुई। बैंक खाते की जांच कराने पर कई ऐसे लेन-देन मिले, जो उनकी जानकारी के बिना किए गए थे। विधायक की शिकायत पर शुक्रवार दोपहर 2 बजे प्रयागराज के धूमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज की गई। विधायक पूजा पाल का प्रयागराज की धूमनगंज की यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा में खाता है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 22 अगस्त से 13 सितंबर के बीच उनके

खाते से कई बार रुपए निकाले गए।

विधायक ने आशंका जताई है कि किसी ने उनके आईफोन 17 Air को हैक कर बैंकिंग और निजी डेटा का गलत इस्तेमाल किया। पुलिस साइबर सेल की मदद से मोबाइल, फोन-पे, UPI और बैंक खाते की जांच कर रही है। विधायक ने साइबर क्राइम पुलिस से 22 अगस्त से 13 सितंबर के बीच हुए सभी फोन-पे और UPI लेन-देन की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने सभी ट्रांजैक्शन की आईडी और बैंक खाते के साथ मोबाइल की भी तकनीकी जांच कराने को कहा है।

पृष्ठ 01 का शेष...

'इस सिस्टम को...

राजगढ़ की सपना गुर्जर ने कहा- मैं ऐसे जिले से हूं, जो बाल विवाह में मप्र का टॉप जिला है। मार्च 2019 में कांग्रेस सरकार ने 14 फीसदी आरक्षण बढ़ाकर 27 फीसदी किया था। यह पूरे प्रदेश में लागू भी है। सरकार बदलते ही बीजेपी सरकार ने हमारे 13 फीसदी पद पर को कोर्ट का हवाल देकर हमारी सारी नियुक्त होल्ड कर देती है।

पिछले 8 साल से हमारे 10 हजार पदों पर होल्ड नाम का राक्षस बैठा है। मेरे जैसे 1 लाख 87 हजार छात्र नियुक्त के इंतजार में लाइन में खड़े हैं। मैंने खुद दो एग्जाम क्लियर किए हैं। इनमें तीन-तीन स्टेप को पार कर बेरोजगार बैठे हैं। ये कोर्ट का हवाला देते हैं, लेकिन हाईकोर्ट-सुप्रीम कोर्ट से कहीं हुई स्टे नहीं है। हमें गुमराह कर रही है और नियुक्ति रोक रखी है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को कई बार फटकार लगाई है।

यह सरकार दोहरी नीति अपना नही है। मप्र में पुलिस कॉन्सेटेबल 2022, पटवारी भर्ती 2023 में 27 फीसदी पर ज्वाइनिंग दी, अगले साल 13 फीसदी पद होल्ड कर दिया। यह कहां का कानून है। एक साल 27 फीसदी, दूसरे साल 13 फीसदी पद होल्ड कर देती है।

हमारे पास कोचिंग के लिए पैसे नहीं होते हैं तो हम रात–रात भर लाइब्रेरी में बैठकर पढ़ाई करते हैं। हमारे ज्वाइनिंग लेटर बचे हैं। सरकार हमें 13 फीसदी नाम का लॉलीपॉप थमा देती है। पिछले 8 साल से सड़क पर लड़ाई लड़ रहे हैं। सरकार ने आज तक कोई पॉजिटिव रिस्पांस नहीं दिया। आपको ध्यान का योद्धा कहा जाता है, आप हमें भी न्याय दिलाएं। हमें उम्मीद है कि हमें न्याय दिलाएंगे और 13 फीसदी नाम के इस दलदल से बाहर निकालेंगे।

पुणे के केतन...

पुलिस ने जब मामले की जांच शुरू की तो किले के टिकट काउंटर के पास लगे सीसीटीवी फुटेज में एक हुडी पहने संदिग्ध व्यक्ति नजर आया, जो केतन और सिया का पीछा कर रहा था। जांच में उसकी पहचान चेतन चौधरी के रूप में हुई, जो सिया का प्रेमी बताया गया है।

पुलिस के मुताबिक 18 जून को केतन की लोहागढ़ में करीब 350-400 फीट गहरी खाई में गिरने से मौत हुई। जांच के बाद पुलिस ने इसे हादसा नहीं, बल्कि कथित हत्या की साजिश बताया है।

लोहागढ़ के टिकट काउंटर के CCTV फुटेज में केतन और सिया के पीछे हुडी पहना एक व्यक्ति नजर आया। पुलिस ने उसकी पहचान चेतन चौधरी के रूप में की है। पुलिस के अनुसार 18 जून को चेतन के मोबाइल का इंटरनेट सुबह 7 बजे से शाम 5:40 बजे तक बंद था। आरोप है कि उसने मोबाइल जानबूझकर दफ्तर में छोड़ दिया, ताकि उसकी लोकेशन घटनास्थल पर नहीं मिले।

उत्तर प्रदेश में भाजपा...

आगामी दिनों में पार्टी की ओर से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भी नियुक्त किए जाएंगे। पार्टी ने पूर्व पदाधिकारियों को भी सक्रिय रखने और उनके अनुभव का लाभ लेने के लिए उन्हें विभिन्न जिलों का प्रभारी बनाया है।

पूर्व प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता को अयोध्या जिला, अवध के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा को हरदोई, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह को उन्नाव और पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयंबक त्रिपाठी को लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है।

अंबेडकर नगर के पूर्व जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी को श्रावस्ती, बनारस के पूर्व महापौर कौशलेंद्र पटेल को सोनभद्र, पूर्व प्रदेश मंत्री डॉ. चंद्रमोहन को संभल, पूर्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अशोक कटारिया को गाजियाबाद महानगर, पश्चिम के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया को रामपुर और पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विजय बहादुर पाठक को लखीमपुर खीरी का प्रभारी बनाया गया है।

प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह को रायबरेली, अवध के महामंत्री राहुल राज रस्तोगी को गोंडा, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवभूषण सिंह को अयोध्या महानगर, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. समीर सिंह को भदोही, प्रदेश उपाध्यक्ष सहजानंद राय को मऊ और प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा को बुलंदशहर का प्रभारी बनाया गया है।

बंगाल उपचुनाव में...

नंदीग्राम सीट शुभेंदु अधिकारी के इस्तीफे के बाद और रेजीनगर सीट हुमायूं कबीर के इस्तीफे के बाद खाली हुई है।

ममता बनर्जी ने TMC का नाम और 'जोड़ा घास फूल' चुनाव चिन्ह फ्रीज करने के चुनाव आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने शुक्रवार को अपनी याचिका में चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी को पक्षकार बनाया है।

मैं नौकरी देता जाऊंगा...

उन्होंने कहा कि जब प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलता है, तो उनकी प्रतिभा का लाभ राज्य को मिलता है और प्रदेश की ताकत बढ़ती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। अब तक प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों में करीब 9.5 लाख युवाओं को नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र वितरण की यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान भर्ती प्रक्रिया में विज्ञापन जारी होने से लेकर नियुक्ति पत्र वितरण तक प्रत्येक स्तर पर समयबद्धता और मेरिट का ध्यान रखा जा रहा है। समूह-ग और समूह-घ की भर्तियों में साक्षात्कार की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। उन्होंने कहा कि युवाओं के भरोसे और उनके भविष्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों से पूरी ईमानदारी और तन्मयता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान कुछ नवनियुक्त अभ्यर्थियों ने भी भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।

दिल्ली यूनिवर्सिटी...

कांग्रेस के स्टूडेंट विंग NSUI को एक भी पद हासिल नहीं हुआ। DUSU चुनाव के लिए शुक्रवार को 52 कॉलेजों में मतदान हुआ था। इसमें 40.46% वोटिंग हुई और 1,51,519 छात्रों में से 61,312 ने मतदान किया।

शौकीन 4 साल NSUI से जुड़े रहे और छात्र राजनीति में एक्टिव थे। उन्होंने उपाध्यक्ष पद का टिकट मांगा था। संगठन की ओर से उनका नामांकन भी कराया गया, लेकिन बाद में उन्हें नामांकन वापस लेने के लिए कहा गया। शौकीन ने ऐसा करने से इनकार कर दिया और निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा।

वे पहले से छात्र राजनीति में सक्रिय थे। इसलिए चुनाव में उनकी पहचान सिर्फ एक निर्दलीय उम्मीदवार की नहीं, बल्कि कैंपस में सक्रिय छात्र नेता की भी थी। जब उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा तो NSUI के नाराज कार्यकर्ताओं ने समर्थन दिया। छात्रों के स्थानीय मुद्दों पर फोकसः उनके प्रचार में हॉस्टल, छात्र सुरक्षा और कैंपस की सुविधाओं जैसे अहम मुद्दे रहे। इससे संगठन की राजनीति से अलग मुद्दों पर वोट मांगने में मदद मिली।

एनएसयूआई के...

हमने कल स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज, रामजस कॉलेज और शिवाजी कॉलेज जैसे कॉलेजों में हुई घटनाओं के बारे में शिकायत दर्ज कराई थी।₹

उन्होंने आगे कहा, ₹वहां फर्जी वोटिंग हुई, छात्रों से जबरदस्ती वोट डलवाए गए और उनके ID कार्ड जब्त कर लिए गए। हम इस मामले को कोर्ट ले जाएंगे और इसके लिए लड़ेंगे।

'देश विकसित भारत...

सरकार में रहते हुए आपको हर वो निर्णय लेना है, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के अभियान को निरंतर सशक्त करे। भारत के युवाओं के सामर्थ्य की एक और तस्वीर हमारे स्टार्टअप इको सिस्टम में दिखाई देती है। भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम है। और भारत की स्टार्टअप स्टोरी अब केवल बड़े शहरों की कहानी नहीं है।

शूटर मनु के साथ पवन सहरावत तिरंगा थामेंगे, फ्लैग मार्च जारी

एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी शुरू

समारोह

नागोया, एजेंसी

एशियन गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी शुरू हो चुकी है। नागोया के पालोमा मिजुहो स्टेडियम में म्यूजिकल परफॉर्मेंस के साथ समारोह का आगाज हुआ। सेरेमनी से पहले जापानी बॉय बैंड INI ने भी प्रस्तुति दी। भारत की ओर से शूटर मनु भाकर और सीनियर कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत तिरंगा थामेंगे। शॉटपुटर तजिंदरपाल सिंह तूर को अब तक भारतीय किट नहीं मिलने के कारण उन्हें ध्वजवाहक की जिम्मेदारी नहीं दी गई है। एशियन गेम्स में 45 देशों और क्षेत्रों के खिलाड़ी 43 खेलों में हिस्सा लेंगे। टूर्नामेंट 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक चलेगा। भारत ने इस बार 503 खिलाड़ियों का दल भेजा है। भारत की क्विंसी डिसूजा एशियन गेम्स के पहले दिन शनिवार को टेकबॉल महिला एकल सेमीफाइनल में इंडोनेशियाई की सुमाया से हार गईं। वे फाइनल के बेहद करीब थीं। मुंबई की 24 साल की डिसूजा ने पहला गेम 12-7 से जीता। लेकिन, सुमाया ने अगले दो गेम 9-12, 12-7 से जीत लिए। क्विंसी बॉन्ज मेडल के लिए 20 सितंबर को जापान की यूइना साकामोतो से खेलेंगी। जोकि विमेंस सिंगल्स रैंकिंग में 7वें नंबर की खिलाड़ी हैं। भारत ने हांगझोउ पिछले एशियन गेम्स में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया था। तब भारतीय खिलाड़ियों ने 107 मेडल जीते थे, जिसमें 28 गोल्ड शामिल थे। टीम को शूटिंग, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, कुश्ती, क्रिकेट और वेटलिफ्टिंग समेत कई खेलों में मेडल की उम्मीद रहेगी।

ओपनिंग सेरेमनी से पहले जापानी बॉय बैंड INI ने परफॉर्मेंस दी।

पालोमा मिजुहो स्टेडियम में सेरेमनी शुरू

गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी पालोमा मिजुहो स्टेडियम, नागोया में हो रही है। जापान तीसरी बार एशियन गेम्स की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले 1958 में टोक्यो और 1994 में हिरोशिमा में इन खेलों का आयोजन हुआ था।

> **भारत ने पिछले एशियन गेम्स की तुलना में इस बार छोटा दल भेजा है। 2022 में चीन के हांगझोउ में हुए एशियन गेम्स में भारत के 661 खिलाड़ी शामिल हुए थे। इनमें 333 मेंस और 328 विमेंस थीं।**

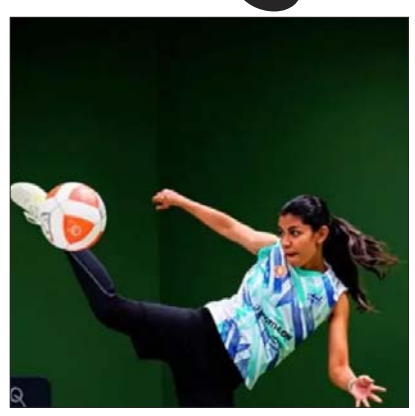

ऋषभ पंत की फैंस से अपील- खिलाड़ियों को सपोर्ट करें

ऋषभ पंत ने एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि वे गेम्स देखने को लेकर काफी उत्साहित हैं। साथ ही पंत ने फैंस से अपील की है कि खिलाड़ियों के साथ खड़े रहें और उन्हें सपोर्ट करें।

एशियन गेम्स बैडमिंटन ड्रॉ जारी जापान से भिड़ने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स के बैडमिंटन टीम इवेंट के ड्रॉ में भारतीय मेंस टीम का पहला मुकाबला बांग्लादेश से होगा। टीम क्वार्टरफाइनल में जापान से भिड़ सकती है।

सिल्वर मेडल विजेता भारतीय मेंस टीम के सेमीफाइनल में चीन या कोरिया से मुकाबले की संभावना है। भारत, जापान, चीन और कोरिया एक ही हाफ में हैं।

भारतीय विमेंस टीम अपने अभियान की शुरुआत कजाकिस्तान के खिलाफ करेगी। वह क्वार्टरफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जापान से भिड़ सकती है।

भारत को आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य सेन को कोडाई नाराओका और आयुष को यूशी तनाका को हराना होगा। सात्विक-चिराग की जोड़ी का मुकाबला होकी-कोबायाशी से हो सकता है।

भारतीय मेंस टीम पिछली बार चीन से 2-3 से हारकर गोल्ड मेडल से चूक गई थी। इस बार उसका सेमीफाइनल में ही चीन से मुकाबला हो सकता है।

हालांकि, धीमे कोर्ट पर जापान भारत के लिए मुश्किल चुनौती बन सकता है। जापान के पास वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट कोडाई नाराओका हैं।

मलेशिया, इंडोनेशिया, हांगकांग और ताइवान को ड्रॉ के दूसरे हाफ में रखा गया है। भारत के विमेंस टीम इवेंट के क्वार्टर फाइनल में जापान से भिड़ने की संभावना है। मुकाबले में अकाने यामागुची और पीवी सिंधु आमने-सामने हो सकती हैं। उन्नति हुड्डा का सामना टोमोका मियाजाकी से हो सकता है, जबकि ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को जापान की टॉप जोड़ी की चुनौती मिलेगी।

एशियाड में 100 मेडल भी नहीं जीतेगा भारत

नेशनल स्पोर्ट्स एसोसिएशन, भारतीय ओलिंपिक संघ और टॉप्स की रिपोर्ट में दावा, 97 मेडल जीतेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय खिलाड़ी जापान में चल रहे एशियन गेम्स में 100 मेडल के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाएगा। इस बार करीब 97 मेडल मेडल जीतने की उम्मीद है।

यह दावा नेशनल स्पोर्ट्स एसोसिएशन (NSA), इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन (IOA) और साई की टारगेट ओलिंपिक पोडियम (टॉप्स) स्कीम की अंतरिक रिपोर्ट में किया गया है।

भारतीय ओलिंपिक संघ के एक सूत्र ने बताया कि रिपोर्ट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर मेडल की संभावनाओं का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि इस बार भारत के सिल्वर मेडल की संख्या बढ़ेगी। जबकि गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल कम होंगे। अनुमान के अनुसान भारत 20वें एशियाड में 25 गोल्ड मेडल जीतेगा। उसे 42 सिल्वर और 36 ब्रॉन्ज मिलेंगे। भारत ने हांगझोऊ एशियन गेम्स में 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 41 ब्रॉन्ज समेत 107 मेडल जीते थे। हालांकि, एक मेडल डोपिंग नियमों के कारण वापस ले लिया गया था।

रिपोर्ट में अनुभवी प्लेयर्स से ज्यादा युवाओं से ज्यादा उम्मीद लगाई गई है। शूटिंग में मनु भाकर से ज्यादा उम्मीद ईशा सिंह से हैं। स्क्वॉश जोशना चिनप्पा के ज्यादा अनाहत सिंह पर भरोसा है। बैडमिंटन में सिंधु से ज्यादा भरोसा आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन से है। शूटिंग में पलक-मुकेश की जोड़ी से मेडल होप। जूडो में अस्मिता डे से भी मेडल की उम्मीद है। एथलेटिक्स में गुलवीर सिंह से पदक की उम्मीद है।

बीसीसीआई को चिट्ठी, 4 अक्टूबर को कार्यकाल खत्म हो रहा, बोर्ड को नए सिलेक्टर की तलाश

अगरकर चीफ सिलेक्टर के पद से हटना चाहते हैं

दावा

नई दिल्ली, एजेंसी

अजीत अगरकर भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ सिलेक्टर के पद से हटना चाहते हैं। यह दावा न्यूज एजेंसी PTI ने अपनी एक रिपोर्ट में किया है। 48 साल के अगरकर ने BCCI को शुक्रवार को एक लेटर लिखकर बताया कि वे इस पद पर आगे जारी नहीं रहना चाहते।

अगरकर का मौजूदा कार्यकाल 4 अक्टूबर में खत्म हो रहा है। उन्होंने 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक अपना कार्यकाल बढ़ाने की इच्छा जताई थी। वे जुलाई 2023 में सिलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष बने थे। अगर अगरकर का कार्यकाल खत्म होता है, तो BCCI तुरंत नया चयनकर्ता प्रमुख नियुक्त नहीं कर सकेगा। बोर्ड को पहले पद के लिए विज्ञापन जारी करना होगा। इसके बाद इंटरव्यू की प्रक्रिया होगी। इस प्रक्रिया के कारण नए अध्यक्ष की नियुक्ति में समय लग सकता है। अगरकर की जगह पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल संभावित उम्मीदवार हो सकते हैं। बैठक के बाद BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था, 'हमारे पास अभी 15 दिन हैं। क्रिकेट की दुनिया में 15 दिन बहुत लंबा समय होता है। हम सही समय पर फैसला लेंगे।'

लॉर्ड्स में रोहित शर्मा कंट्रोवर्सी के बाद सवाल उठे थे

लॉर्ड्स वनडे से पहले रोहित शर्मा प्रकरण के बाद से अगरकर के पद पर सवाल उठे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि एक सिलेक्टर ने रोहित शर्मा को बताया था कि वे टीम की योजनाओं में नहीं हैं। रोहित ने शतक लगाकर खुद को साबित किया। वे लॉर्ड्स में वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय भी बने थे। इसके बाद BCCI को मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा था।

> **बीसीसीआई की एनुअल जरनल मीटिंग में बोर्ड के पदाधिकारियों को सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष के भविष्य पर फैसला लेने का अधिकार दिया गया। माना जा रहा था कि इस बैठक में अगरकर के भविष्य पर फैसला लिया जाएगा।**

मनोरंजन

बोलीं- फिल्मों से निकाले जाने पर बहुत तकलीफ होती थी, खुद से सवाल करती थी

रिजेक्शन और रिप्लेसमेंट के बाद तारा सुतारिया ने बनाई पहचान

नई दिल्ली। बॉलीवुड में पहचान बनाने का सपना लेकर आने वाले हर कलाकार का सफर एक जैसा नहीं होता। कुछ को फिल्मी परिवार का सहारा मिलता है, तो कुछ हुनर और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री तारा सुतारिया का सफर भी ऐसा ही है। अभिनय के साथ संगीत और गायकी में रुचि रखने वाली तारा ने टेलीविजन से शुरुआत की और 2019 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बड़े पर्दे पर कदम रखा।

फिल्मों में आने से पहले तारा सुतारिया टेलीविजन पर काम कर चुकी थीं। उन्होंने डिज्नी चैनल के शो 'द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' और 'ओए जस्सी' में अभिनय किया। इसके अलावा उन्होंने 'बिग बड़ा बूम' से बतौर गायिका और परफॉर्मर टीवी करियर की शुरुआत की थी। वह 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' और 'बेस्ट ऑफ लक निक्की' जैसे टीवी शोज में भी नजर आईं। टेलीविजन पर काम करने से उन्हें कैमरे के सामने अभिनय और दर्शकों से जुड़ने का अनुभव मिला। यह उनके करियर का शुरुआती चरण था, जिसने उन्हें फिल्मों की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार किया। तारा का एक और हुनर गायकी था। उन्होंने PTI को दिए इंटरव्यू में बताया था कि वह फिल्मों में गाना चाहती थीं और भविष्य में बॉलीवुड फिल्मों के लिए भी गाना चाहती हैं। साल 2019 तारा सुतारिया के करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा। इसी साल उन्होंने पुनीत मल्होत्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया।

तारा सुतारिया 2014 में सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के टैलेंट रियलिटी शो 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' में गायिका और परफॉर्मर के रूप में नजर आई थीं।

> **तारा का फिल्मी सफर कई अनुभवों से गुजर चुका है। उन्होंने रोमांटिक और एक्शन फिल्मों में काम किया और अपूर्वा जैसी सर्वाइवल थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभाई। इस दौरान उन्हें फिल्मों से रिप्लेस किए जाने और इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।**

बचपन से ही संगीत और मंच से जुड़ाव

तारा सुतारिया का जन्म 19 नवंबर 1995 को मुंबई में हुआ। उन्हें बचपन से संगीत और परफॉर्मिंग आर्ट्स में रुचि थी। उन्होंने कम उम्र में गायन की ट्रेनिंग शुरू कर दी थी। संगीत के अलावा नृत्य और मंच पर प्रस्तुति देने का भी अनुभव रहा है। वह लगभग 15 साल की उम्र से मंच पर प्रस्तुति दे रही थीं। तारा हमेशा गायिका और परफॉर्मर बनना चाहती थीं। बॉलीवुड में अभिनय का मौका मिलने के बाद भी संगीत उनके लिए महत्वपूर्ण बना रहा। तारा ने म्यूजिकल थिएटर में भी काम किया। वह रैल पदमसी के प्रोडक्शन 'ग्रीस' और अश्विन गिडवानी के 'ब्लेम इट ऑन यशराज' जैसे म्यूजिकल प्रोजेक्ट्स से जुड़ी रहीं। इस अनुभव से उन्हें मंच पर आत्मविश्वास और दर्शकों के सामने प्रस्तुति का अवसर मिला।

कटरीना की बॉडी शेमिंग पर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी-खुशबू सुंदर

पूर्व सांसद बोलीं- शरीर, उम्र के फैसलों के लिए सफाई क्यों देनी चाहिए? ऋतिक ने भी बचाव किया

नई दिल्ली। कटरीना हाल ही में अंबानी परिवार के गणपति सेलिब्रेशन का हिस्सा बनीं, जहां उनके बढ़े हुए वजन का मुद्दा बना दिया गया। पोस्ट प्रेग्नेंसी बढ़े हुए वजन के बीच हो रही ट्रोलिंग पर अब पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्ट्रेस का बचाव किया और ट्रोलर्स की आलोचना की। प्रियंका चतुर्वेदी ने आधिकारिक X अकाउंट (पहले ट्विटर) पर लिखा है, 'प्रिय महिलाओं, आपका वजन बढ़ा है या घटा है, आपकी उम्र कितनी है, आप कैसी दिखती हैं, आपका शरीर कैसा है या आपकी स्किन कैसी है, इनमें से किसी भी चीज का हिसाब आपको उन लोगों को देने की जरूरत नहीं है, जिनके पास दूसरों की जिंदगी पर कमेंट करने के अलावा कोई काम नहीं है।' भारतीय जनता पार्टी की नेता और साउथ एक्ट्रेस खुशबू सुंदर ने कटरीना का बचाव करते हुए लिखा है, 'आखिर किसी महिला की उम्र को हमेशा सार्वजनिक चर्चा का विषय क्यों बना दिया जाता है?

रणबीर कपूर ने विसर्जन में लगाया जय श्री राम का जयकारा, सुनीता-गोविंदा अलग-अलग बप्पा के विसर्जन में पहुंचे

बेटी राहा का चेहरा छिपाती दिखीं आलिया

नई दिल्ली। रणबीर कपूर ने शुक्रवार को पत्नी आलिया भट्ट और मां नीतू के साथ गणेश विसर्जन किया। आलिया भट्ट इस दौरान बेटी राहा का चेहरा छिपाती नजर आईं। वहीं रणबीर ने परिवार के साथ गणपति बप्पा मोरया और जय श्री राम का जयकारा लगाया। प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी मुंबई स्थित घर में गणेश पूजा का आयोजन किया, जिसमें फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की कई हस्तियां पहुंचीं। गोविंदा एकता कपूर के घर पहुंचे, जबकि पत्नी सुनीता, कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह के घर गणेश आरती का हिस्सा बनीं।

विसर्जन के समय आलिया भट्ट ने बेटी राहा को गोद में उठा रखा था और उसका चेहरा पूरी तरह छिपाकर रखा। लौटते हुए बेटी का चेहरा न दिखे, इसलिए आलिया उल्टे पांव पीछे गईं। कुछ देर बाद उन्होंने राहा के बिना रणबीर और नीतू सिंह के साथ तस्वीरें क्लिक करवाईं। गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा, कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह के घर गणपति सेलिब्रेशन का हिस्सा बनी हैं। जबकि कुछ महीनों पहले तक सुनीता की कृष्णा के परिवार से अनबन थी। सुनीता ने इस दौरान कपिल शर्मा के साथ तस्वीरें क्लिक करवाई हैं। अंकिता लोखंडे ने भी शुक्रवार को बप्पा का विसर्जन किया। इससे पहले बप्पा की आरती करते हुए अंकिता लोखंडे काफी एनर्जेटिक नजर आईं।

एकता कपूर के घर हुई गणेश आरती में पहुंचे सेलेब्स

टेलीविजन क्वीन और प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी अपने घर में गणेश पूजा का आयोजन किया, जिसमें फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियां शामिल हुई हैं। गोविंदा बेटे यशवर्धन के सा आरती में पहुंचे। अंकिता लोखंडे, पति विक्की जैन के साथ पहुंचीं, वहीं आयुष्मान खुराना, चंकी पांडे समेत कई सेलेब्स इस सेलिब्रेशन का हिस्सा बने।

ललित मोदी पर बनेगी बायोपिक

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के संस्थापक ललित मोदी की जिंदगी पर फिल्म बनने जा रही है। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, इस बायोपिक को साजिद नाडियाडवाला अपने बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट लिखने का काम पूर्व टीवी एग्जीक्यूटिव और प्रोड्यूसर स्नेहा रजनी कर रही हैं। यह फिल्म ललित मोदी के शुरुआती जीवन, IPL की शुरुआत, उनकी सफलता और बाद में जुड़े विवादों पर आधारित होगी।

कुछ समय पहले रणवीर सिंह ने ललित का रोल निभाने में दिलचस्पी दिखाई थी। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में ललित मोदी ने भी पुष्टि की थी कि रणवीर उनका रोल निभाना चाहते हैं। ललित करीब 16 साल से लंदन में रह रहे हैं।

मेकर्स इस बायोपिक में ललित मोदी की सिर्फ हेडलाइंस और विवादों पर ध्यान देने के बजाय उनके निजी जीवन और करियर के अलग-अलग पहलुओं को दिखाना चाहते हैं।

ट्रम्प ने डेनमार्क से ग्रीनलैंड को लेकर डील की

समझौता

आजादी के बाद भी अमेरिकी सेना वही रहेगी, 9 महीने पहले कब्जे की धमकी दी थी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने डेनमार्क और ग्रीनलैंड के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना की मौजूदगी बढ़ेगी और रूस-चीन जैसे गैर-नाटो देशों को वहां सैन्य अड्डा बनाने की अनुमति नहीं होगी।

यह समझौता ग्रीनलैंड के भविष्य में आजाद होने की स्थिति में भी लागू रहेगा। डेनमार्क के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि समझौते से डेनमार्क और ग्रीनलैंड की संप्रभुता बरकरार रहेगी। ग्रीनलैंड अभी डेनमार्क के अधीन एक स्वशासित क्षेत्र है।

ट्रम्प ने जनवरी में कहा था कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का कब्जा होना जरूरी है और इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है। वे पहले टर्म से ही ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने की बात करते रहे हैं।

जनवरी में अमेरिका-डेनमार्क के बीच बढ़ा था तनाव

ट्रम्प लंबे समय से ग्रीनलैंड को अमेरिका के साथ जोड़ने की इच्छा जाहिर करते रहे हैं। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं ने इस विचार को खारिज किया है।

फिलहाल वहां अमेरिका का पिटुफिक स्पेस बेस मौजूद है। हाल के हफ्तों में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने ग्रीनलैंड का दौरा कर पुराने सैन्य ठिकानों को दोबारा खोलने की संभावनाएं भी देखी हैं। अब नए समझौते में गैर-नाटो देशों के सैन्य अड्डे और सैन्य मौजूदगी को रोकने की बात कही गई है। ग्रीनलैंड लंबे समय से ज्यादा स्वायत्तता और आजादी की मांग करता रहा है। वहां कई लोग इसे स्वतंत्र देश बनाना चाहते हैं। अभी इसकी रक्षा की जिम्मेदारी डेनमार्क के पास है।

ट्रम्प प्रशासन की चिंता यह रही है कि अगर भविष्य में ग्रीनलैंड स्वतंत्र देश बन जाता है, तो अमेरिका की मौजूदा सैन्य पहुंच पर क्या असर पड़ेगा। नए समझौते में इस स्थिति को भी शामिल किया गया है।

इस साल जनवरी में दोनों पक्षों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था। डेनमार्क की सेना ने अमेरिकी हमले की स्थिति में ग्रीनलैंड के एयरफील्ड को नष्ट करने तक की योजना बनाई थी। डेनमार्क ने ग्रीनलैंड में सैनिक भी भेजे थे।

रूस-चीन नहीं बना सकेंगे सैन्य अड्डा

समझौते की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अमेरिका, डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारें अगले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान इस पर हस्ताक्षर करेंगी। इसे लागू करने के लिए डेनमार्क और ग्रीनलैंड की संसदों की मंजूरी जरूरी होगी।

ट्रम्प के मुताबिक, समझौते में ग्रीनलैंड में अमेरिका के विरोधी देशों के सैन्य अड्डे बनाने पर रोक होगी। इसके अलावा, ग्रीनलैंड के संवेदनशील इलाकों में कोई बड़ा निवेश अमेरिका की लिखित मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकेगा।

अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक, नाटो से बाहर के देशों को ग्रीनलैंड में सैन्य अड्डा या सैन्य मौजूदगी रखने की अनुमति नहीं होगी। ग्रीनलैंड नाटो क्षेत्र में आता है। ऐसे में रूस और चीन जैसे गैर-नाटो देशों की सैन्य मौजूदगी रोकने वाला यह प्रावधान अमेरिका के लिए रणनीतिक तौर पर अहम माना जा रहा है।

1951 से ग्रीनलैंड में अमेरिकी सेना की मौजूदगी

ग्रीनलैंड में अमेरिका की सैन्य मौजूदगी नई नहीं है। दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमेरिका ने पहली बार यहां सैन्य मौजूदगी बनाई थी। 1951 में अमेरिका और डेनमार्क के बीच एक रक्षा समझौता हुआ। इसके तहत अमेरिका को ग्रीनलैंड में सैन्य ठिकाने चलाने और अपनी सेना की गतिविधियां करने की काफी आजादी मिली। इस समझौते में नाटो देशों की सेनाओं को भी ग्रीनलैंड में पहुंच की अनुमति थी। हालांकि, रूस या चीन जैसे देशों की सैन्य मौजूदगी पर साफ रोक नहीं थी।

> ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ग्रीनलैंड में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करेगा। उनके मुताबिक, वहां कई ऐसी जगहें हैं जहां अमेरिकी सेना की मौजूदगी बढ़ाई जा सकती है। शीत युद्ध के दौरान अमेरिका के ग्रीनलैंड में एक दर्जन से ज्यादा सैन्य ठिकाने थे। बाद में इनमें से ज्यादातर बंद कर दिए गए।

फास्ट न्यूज

ईरान में 'हिजाब कानून' को खुली चुनौती

तेहरान। ईरान में कानून के तहत हिजाब पहनना अनिवार्य है। लेकिन हाल ही में ईरान की राजधानी तेहरान से एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसमें महिलाएं बिना हिजाब या स्कार्फ पहने ही 10 किलोमीटर की दौड़ में हिस्सा लेती नजर आईं। ईरान से सामने आए इस वीडियो ने लोगों का ध्यान खींचा है। शुक्रवार को वेलायत पार्क में हुई 'तेहरान 10K' दौड़ में कई महिलाओं को बिना सिर ढके दौड़ते देखा गया।

सितंबर 2027 तक एच-1इ वीजा फीस में बढ़ोतरी रहेगी बरकरार

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने H-1B वीजा नियमों में की गई सख्ती को अगले एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। इसके तहत, अमेरिका में नौकरी करने के इच्छुक आईटी और अन्य क्षेत्रों के विदेशी पेशेवरों को अब $100,000 का अनिवार्य शुल्क देना होगा। व्हाइट हाउस की आधिकारिक घोषणा के अनुसार, सितंबर 2025 में लागू किए गए ये कड़े नियम अब 21 सितंबर, 2027 तक जारी रहेंगे। सरकार के अधिकारियों का कहना है कि यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि बाजार के हालात अभी सुधरे नहीं हैं ।

एआई की एक गलती से यूएस-चीन में छिड़ने वाला था युद्ध

वाशिंगटन। ईरान के साथ जारी भीषण युद्ध के बीच अमेरिकी खुफिया विभाग की एक बेहद संवेदनशील रिपोर्ट ने मिडिल ईस्ट में तबाही का एक ऐसा चक्रव्यूह रच दिया था, जो अमेरिका और चीन को सीधे युद्ध के मुहाने पर ले आया। खुफिया एजेंसियों ने एक रिपोर्ट जारी कर दावा किया था कि मध्य पूर्व के समुद्र में तैर रहा एक चीनी जहाज परमाणु हथियार कार्यक्रम से जुड़े खतरनाक उपकरण ले जा रहा है।

गोल्ड ईटीएफ में एक साल में 35% का रिटर्न मिला

इसके जरिए कम पैसों में सोने में निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

निवेशकों इन दिनों सोने में निवेश लुभा रहा है। अगस्त में गोल्ड ETF में निवेश जुलाई के 1,558 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,596 करोड़ रुपए रहा। गोल्ड ETF ने बीते एक साल में 35% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। जेफरीज के ग्लोबल इक्विटी स्ट्रैटजी हेड क्रिस वुड का मानना है कि सोने के दाम में आगे भी तेजी देखने को मिल सकती है। ऐसे में अगर आप सोने में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो गोल्ड ETF के जरिए इसमें निवेश कर सकते हैं।

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड सोने के गिरते-चढ़ते भावों पर बेस्ड होते हैं। गोल्ड ETFs की खरीद-बिक्री शेयर की ही तरह BSE और NSE पर की जा सकती है। हालांकि, इसमें आपको सोना नहीं मिलता। आप जब इससे निकलना चाहें तब आपको उस समय के सोने के भाव के बराबर पैसा मिल जाएगा।

गोल्ड ETF खरीदने के लिए आपको अपने ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होता है। इसमें NSE पर उपलब्ध गोल्ड ETF के यूनिट आप खरीद सकते हैं और उसके बराबर की राशि आपके डीमैट अकाउंट से जुड़े बैंक अकाउंट से कट जाएगी। आपके डीमैट अकाउंट में ऑर्डर लगाने के दो दिन बाद गोल्ड ETF आपके अकाउंट में डिपॉजिट हो जाते हैं। ट्रेडिंग खाते के जरिए ही गोल्ड ETF को बेचा जाता है।

लाखों सैनिकों की ट्रेनिंग, हथियारों का जखीरा बढ़ा, युद्ध के लिए सिस्टम बदल रहा नाटो

रूसी खतरे के बीच यूरोप की 10 साल की तैयारी

कोपेनहेगन/वॉशिंगटन, एजेंसी

यूक्रेन में जारी जंग के बीच यूरोप के नाटो देश अगले 10 साल में अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। नाटो ने 2035 तक रक्षा और सुरक्षा पर GDP का 5% खर्च करने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत हथियार, सैनिकों की ट्रेनिंग, सैन्य ठिकाने, बंकर, अस्पताल और साइबर सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं मजबूत की जाएंगी।

रूस लगातार यूरोपीय देशों को चेतावनी दे रहा है। पिछले हफ्ते ब्रिक्स समिट के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि अगर यूरोपीय देश यूक्रेन में अपने सैनिक तैनात करते हैं, तो इसे रूस के साथ युद्ध माना जाएगा।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प भी यूरोपीय देशों से अपनी सुरक्षा पर ज्यादा खर्च करने की मांग करते रहे हैं। इसी बीच शुक्रवार और शनिवार को डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में नाटो के 32 सदस्य देशों के रक्षा प्रमुखों की बैठक हुई। जर्मनी में 1979 में बनाए गए मेडिकल बंकरों को दोबारा इस्तेमाल करने की तैयारी की जा रही है। युद्ध या बड़े हमले की स्थिति में इनका इस्तेमाल घायलों के इलाज के लिए किया जाएगा। नॉर्वे भी अपने अस्पतालों को युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार कर रहा है। वहां 7 हजार बेड युद्ध में घायल सैनिकों और आम लोगों के इलाज के लिए उपलब्ध कराने की तैयारी है।

2035 तक जीडीपी का 5% सुरक्षा पर खर्च होगा

नाटो देशों ने रक्षा और सुरक्षा पर खर्च बढ़ाने का फैसला किया है। 2035 तक GDP का 5% इस क्षेत्र में खर्च करने का लक्ष्य रखा गया है।

इसमें 3.5% पैसा सीधे सेना, हथियारों और सैन्य क्षमता बढ़ाने पर खर्च होगा। बाकी 1.5% सड़कों, कम्युनिकेशन, साइबर सुरक्षा और ऐसी दूसरी सुविधाओं पर लगाया जाएगा, जो युद्ध या किसी बड़े संकट के समय काम आ सकती हैं।

यानी यूरोप की तैयारी सिर्फ हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है। अगले करीब 10 साल में सैनिकों की ट्रेनिंग, सैन्य ठिकानों और युद्ध के समय काम आने वाली जरूरी सुविधाओं पर भी खर्च बढ़ाया जाएगा।

ट्रम्प लंबे समय से यूरोप से ज्यादा खर्च करने को कह रहे

नाटो देशों का रक्षा खर्च बढ़ाने के पीछे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का दबाव भी एक वजह है। ट्रम्प लंबे समय से यूरोपीय देशों से अपनी सुरक्षा पर ज्यादा पैसा खर्च करने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि यूरोपीय देशों को अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर बहुत ज्यादा निर्भर नहीं रहना चाहिए। पिछले साल हेग में हुए नाटो सम्मेलन में सदस्य देशों ने 2035 तक GDP का 5% रक्षा और सुरक्षा पर खर्च करने का लक्ष्य तय किया था।

इसके साथ यूक्रेन की जंग ने भी यूरोप की सैन्य जरूरतों को सामने ला दिया है। युद्ध में ड्रोन, मिसाइल और एयर डिफेंस का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ है।

100 से ज्यादा लोग घायल, विस्फोटक से भरी गाड़ी मस्जिद से टकराई थी

पाकिस्तान में आत्मघाती हमले में अब तक 31 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट में मस्जिद के पास पुलिस परिसर पर हुए आत्मघाती हमले में मरने वालों की संख्या 31 हो गई है। मृतकों में 16 पुलिसकर्मी शामिल हैं। हमले में 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हमला शुक्रवार दोपहर हुआ। उस समय पुलिसकर्मी और उनके परिवार के लोग मस्जिद में नमाज पढ़ रहे थे। आत्मघाती हमलावर विस्फोटकों से भरी कार लेकर पहुंचे थे और कार मस्जिद की दीवार से टकराकर धमाका कर दिया था।

जहां हमला हुआ वह कोई सामान्य पुलिस चौकी नहीं थी। कोहाट का ओल्ड पुलिस लाइंस परिसर जिला स्तर का बड़ा पुलिस मुख्यालय है।

यहां आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने वाला काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (CTD), स्पेशल ब्रांच और पुलिस की दूसरी इकाइयों के दफ्तर हैं। यही वजह है कि हमलावरों ने पुलिस परिसर को निशाना बनाया। हमले के बाद इत्तेहाद-उल-मुजाहिदीन पाकिस्तान नाम के संगठन ने इसकी जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। यह संगठन हाफिज गुल बहादुर से जुड़े गुट के नेतृत्व वाला बताया जा रहा है।

शुरुआती रिपोर्टों में एक अन्य संगठन की ओर से भी जिम्मेदारी लेने का दावा सामने आया था। इसलिए हमले के पीछे किस गुट की भूमिका थी, इसे लेकर अभी अलग-अलग दावे हैं। पाकिस्तान के अधिकारियों ने बढ़ रहे आतंकी हमलों के लिए अफगानिस्तान से सक्रिय आतंकियों को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि, अफगान की तालिबान सरकार इन आरोपों से इनकार करती रही है।

पुलिस और हमलावरों के बीच गोलीबारी हुई

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, कुछ हमलावर अभी भी परिसर की स्पेशल ब्रांच की इमारत में छिपे हुए हैं। पुलिस और उनके बीच रात में गोलीबारी भी हुई। फिलहाल यह नहीं बताया गया कि कितने हमलावरों ने हमला किया था। शुक्रवार को 6 आतंकियों के मारे जाने की जानकारी सामने आई थी।

> तेज धमाके से मस्जिद और परिसर की दूसरी इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है। मस्जिद की दीवारें गिर गई थी और कुछ लोग मलबे में दब गए थे। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में बड़ी संख्या में ईंट-पत्थर और टूटी हुई दीवारें दिखाई दीं।

कोहाट पुलिस लाइन में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़, आईजी के हाथ में चोट लगी।

चीनी त्योहारों से पहले सस्ती होगी स्टॉक लिमिट 15 से बढ़ाकर 30 दिन की

सरकार ने कारोबारियों से कहा- लोगों को सस्ती चीनी दें

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने जमाखोरी रोकने और त्योहारों से पहले कीमतें काबू करने के लिए बल्क कंज्यूमर्स के लिए स्टॉक लिमिट बढ़ाकर 30 दिन कर दी है।

सरकार के इस कदम से मिठाइयों, बेकरी और फूड प्रोसेसिंग कंपनियों को त्योहारों के दौरान चीनी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा। बल्क कंज्यूमर वे कंपनियां या औद्योगिक इकाइयां हैं, जो कच्चे माल के रूप में हर महीने 10 टन से ज्यादा चीनी का इस्तेमाल करती हैं।

अभी ये कंपनियां अपनी सिर्फ 15 दिन की जरूरत के बराबर स्टॉक रख सकती थीं। सरकार ने करोबारियों से कहा है कि लोगों को सस्ती चीनी दें।

सरकार ने कहा है कि स्थानीय बाजार से आप 15 दिन से ज्यादा का चीनी स्टॉक नहीं रख सकते। अगर 15 दिन से ज्यादा यानी 30 दिन तक चीनी रखनी है, तो एक्स्ट्रा स्टॉक सिर्फ विदेश से मंगवाई गई यानी आयातित चीनी का ही होना चाहिए। ऐसा इसलिए किया गया, ताकि देश के स्थानीय बाजार में चीनी की कोई कमी न हो और कीमतें नियंत्रण में रहें। चीनी की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए सरकार ने नया नियम बनाया है। अब चीनी का इस्तेमाल करने वाली सभी बड़ी कंपनियों को हर शुक्रवार को खाद्य मंत्रालय के पोर्टल foodstock.dfpd.gov.in पर बताना होगा कि उनके पास कितना स्टॉक बचा है। फैक्ट्रियों में चीनी 25% सस्ती हो गई है, लेकिन दुकानों पर इसकी कीमत सिर्फ 10% ही घटी है।

तैयारी : जंग के बाद सबसे बड़ी रैली, 6 लाख ने हथियार ट्रेनिंग के लिए रजिस्ट्रेशन कराया

ईरान- सरकार के बुलावे पर लाखों लोग सड़कों पर उतरे

तेहरान, एजेंसी

ईरान में शुक्रवार को सरकार के बुलावे पर लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। राजधानी तेहरान में हुई यह रैली युद्ध शुरू होने के बाद सरकार की सबसे बड़ी रैलियों में से एक थी।

लोगों ने देश की रक्षा के लिए हथियार उठाने और सैन्य ट्रेनिंग लेने की तैयारी जताई। सरकार ने इस अभियान का नाम 'जांफदाए ईरान' रखा है। इसका मतलब है- ईरान के लिए जान तक देने को तैयार लोग।

सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, 6 लाख से ज्यादा लोग अब तक सैन्य ट्रेनिंग के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख ने दावा किया कि ट्रेनिंग लेने वालों की संख्या 10 लाख से ज्यादा हो सकती है। रैली में राष्ट्रपति मसूद पजशकियान, सैन्य कमांडर और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। कुछ लोगों ने अमेरिका और इजराइल के झंडों को पैरों से रौंदा। यहां 'अमेरिका की मौत' और 'इजराइल की मौत' जैसे नारे भी लगाए गए। ली में शामिल 24 साल की मरजिएह अफागी अपने छोटे बच्चे और पति के साथ पहुंची थीं। उन्होंने कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को बताना चाहती हैं कि ईरान के लोगों को अपने देश को लेकर उनकी धमकियों से डर नहीं लगता।

तेहरान में 3 लाख से ज्यादा लोग जुटे

सरकारी प्रसारक के मुताबिक, शुक्रवार सुबह तेहरान की सड़कों पर 3 लाख से ज्यादा लोग मौजूद थे। कई लोग सैन्य वर्दी में थे और हाथों में ईरान के झंडे लिए हुए थे। सरकार की योजना इन लोगों को असॉल्ट राइफल चलाने समेत सीमित सैन्य ट्रेनिंग देने की है। इसके बाद इन्हें देश की सुरक्षा में मदद के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इन लोगों को देश की सुरक्षा में मदद करने के लिए तैयार किया जा रहा है। ये रिवोल्यूशनरी गार्ड और बसीज मिलिशिया ईरान की एक सरकार समर्थक अर्धसैनिक संगठन है। इसका इस्तेमाल सरकार विरोधी प्रदर्शनों को रोकने में इस्तेमाल होता रहा है।

बांग्लादेश: अस्पतालों में डेंगू मरीजों के लिए जगह तक नहीं

फर्श पर हो रहा इलाज, 18 दिनों में 79 मौतें

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश इन दिनों डेंगू की मार झेल रहा है। राजधानी ढाका और उसके आसपास के इलाकों में इसका प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। हालात इतने खराब हो गए हैं कि मरीजों को अस्पताल में जगह तक नहीं मिल पा रहा है।

अस्पतालों में बेड कम पड़ जाने के कारण लोग फर्श और बरामदों पर अपना इलाज करान के लिए मजबूर हैं। स्वास्थ्य निदेशालय (DGHS) के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 1 जनवरी से लेकर अब तक 59000 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं, जबकि अकेले सितंबर के शुरुआती 18 दिनों में 79 लोगों की जान जा चुकी है।

मिली जानकारी के अनुसार ढाका के प्रसिद्ध मुग्दा जनरल अस्पताल में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। इस अस्पताल के डेंगू वार्ड की कुल क्षमता सिर्फ 38 बेड की है, लेकिन वहां 145 से ज्यादा मरीज भर्ती हैं। स्थिति यह है कि एक ही बेड पर कई मरीज लेटे हैं, और जो जगह बच रही है वहां फर्श और बरामदे में मरीजों को ड्रिप लगाई जा रही है।

रिपोर्ट बताती है कि सिर्फ ढाका ही नहीं, बल्कि नारायणगंज और अन्य जिलों से भी गंभीर हालत में मरीज यहां पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों और नर्सों का कहना है कि भारी भीड़ के कारण मरीजों की सही से देखभाल करने और आपातकालीन सेवाएं देने में काफी कठिनाई आ रही है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96